शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 242 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विधेयक किसी पार्टी के हित में नहीं, देश हित में : रास में जेपी नड्डा पेज 2
राज्यपाल ने 2024 के सर्वोच्च राज्य नागरिक पुरस्कार प्रदान किए पेज 3
मोदी सरकार दे रही है खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन : मदन राठौड़ पेज 5
लिवरपूल ने एवर्टन को हराया, प्रीमियर लीग में 12 अंकों की बढ़त बरकरार पेज 7

वक्फ संशोधन विधेयक लोस से पारित

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा ने बुधवार को देर रात तक चली चर्चा के बाद मुसलमान की दान की गई संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़े वक्फ संशोधन विधेयक को मत विभाजन के बाद पारित कर दिया। विधायक के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 मत पड़े। विपक्ष की संशोधन की मांग पर हुई वोटिंग के दौरान विपक्षी नेताओं के सभी संशोधन खारिज हो गए। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि दुनिया में सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक भारत में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों के सुरक्षित होने का सबसे बड़ा कारण बहुसंख्यकों का धर्मनिरपेक्ष रवैया है। वक्त विधेयक पर करीब 12 घंटे चली चर्चा का मध्य रात्रि में उत्तर देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि संशोधन विधेयक के अधिनियम बनने के बाद गरीब और पिछड़े मुसलमान को लाभ मिलेगा और वह इस ऐतिहासिक दिन को याद कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुआएं देंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष विधेयक को बेहतर बनाने पर चर्चा करने की बजाय कलेक्टर की भूमिका पर ही सवाल उठाता रहा। हमें एक सरकारी अधिकारी पर विश्वास रखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विधेयक के वर्तमान प्रावधानों के तहत केवल मौखिक आधार पर भी वक्फ संपत्ति घोषित की जा सकती थी लेकिन हमारी सरकार ने अब इसके लिए दस्तावेजों का होना आवश्यक कर दिया है। रिजिजू ने यह भी कहा कि वर्तमान में जितनी -शेष पृष्ठ दो पर

बीजेडी का यू-टर्न! कहा- रास में अपनी मर्जी से वोट कर सकते हैं सांसद

नई दिल्ली। बीजू जनता दल (बीजेडी) के सांसद सस्मित पात्रा ने गुरुवार (3 अप्रैल) को कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम रखा है, तथा सभी समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित किया है। पात्रा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि हम वक्फ विधेयक के बारे में अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यक्त की गई विविध भावनाओं का गहराई से सम्मान करते हैं। बाद में बीजेडी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर यू-टर्न लेते हुए अपने सांसदों से कहा कि आज राज्यसभा में पार्टी का कोई व्हिप नहीं है। सस्मित पात्रा ने एक्स पर पोस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की रिकॉर्ड आमद से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला

काजीरंगा। असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभयारण्य (केएनपीटीआर) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 406,564 आगंतुकों के साथ एक नया रिकॉर्ड बनाया है। कुल 17,693 विदेशी पर्यटक शामिल हैं, पिछले दस वर्षों की तुलना में आगंतुकों की संख्या में चार गुना वृद्धि हुई है और काजीरंगा दुनिया भर में शीर्ष वन्यजीव स्थलों में से एक बन गया है। पर्यटन में वृद्धि आंकड़ों से स्पष्ट है, 2014-15 में 132,930 से बढ़कर 2024-25 में 406,564 तक पहुंचने वाली

संख्या। गौरतलब है कि वर्तमान में विदेशी पर्यटक कुल आगंतुकों का लगभग 4.5 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो पार्क की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शाता है। पर्यटन में उछाल से स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी लाभ हुआ है, 2024-25 के लिए अनुमानित राजस्व 10.90 करोड़ रुपए है, जो 2014-15 में 2.85 करोड़ रुपए से काफी अधिक है। इस आमद ने स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा दिया है, जिससे आसपास के गांवों में दुकानों, रेस्तरां -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी करेगा दाफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच की मेजबानी : बीसीसीआई

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुष्टि की है कि गुवाहाटी अक्तूबर से दिसंबर तक भारत के घरेलू सत्र के हिस्से के रूप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इस सत्र की शुरुआत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के तहत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से होगी। पहला टेस्ट 2-6 अक्तूबर तक अहमदाबाद में होगा, उसके बाद दूसरा टेस्ट 10-14 अक्तूबर तक कोलकाता में होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

इसरो असम में अंतरिक्ष संबंधी बुनियादी ढांचा स्थापित करेगा

गुवाहाटी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) असम में अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचा स्थापित करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की सुरक्षा को बढ़ाना और भारत की मौसम संबंधी सलाहकार सेवाओं का समर्थन करना है। इसरो ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि असम के राजस्व,

आपदा प्रबंधन, आईटी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्री केशव महंत ने अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन के साथ परियोजना के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। इसरो ने कहा कि बहुउद्देश्यीय सुविधा भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, साथ ही अनुसंधान और तकनीकी प्रगति के केंद्र के रूप में भी काम करेगी। महंत ने राज्य सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पत्नी और बेटी के साथ गुवाहाटी पहुंचे क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर

गुवाहाटी। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ असम और मेघालय की एक सप्ताह की यात्रा के लिए आज गुवाहाटी पहुंचे। लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद, परिवार बारापानी के लिए रवाना हुआ, जहां वे मेघालय के पर्यटन स्थलों की खोज में दो दिन बिताएंगे। *लिटिल मास्टर* के नाम से मशहूर और *क्रिकेट के भगवान* के रूप में प्रतिष्ठित इस प्रतिष्ठित क्रिकेटर की योजना 7 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जाने की है। काजीरंगा में अपने दो -शेष पृष्ठ दो पर

असम राइफल्स द्वारा खाली की गई भूमि का औपचारिक हस्तांतरण अप्रैल के अंत में मिजोरम सरकार को किया जाएगा : सीएम

एजल। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य की राजधानी एजल में असम राइफल्स की खाली की गई जमीन और प्रतिष्ठानों को इस महीने के अंत तक औपचारिक रूप से राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री यहां अर्धसैनिक बल के प्रतिष्ठानों को एजल से राज्य की राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर पूर्व में जोखावसंग में एक निर्दिष्ट परिसर में स्थानांतरित करने पर एक धन्यवाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। लालदुहोमा ने कहा कि असम राइफल्स के ठिकानों को एजल से जोखावसंग में स्थानांतरित करने का काम फिलहाल चल रहा है। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बल द्वारा

खाली की गई जमीन और प्रतिष्ठानों को राज्य सरकार को वास्तविक रूप से सौंपने का काम दो चरणों में होगा और अप्रैल के अंत तक पूरा हो जाएगा। लालदुहोमा के अनुसार, कई बाधाओं और मतभेदों के बावजूद, मिजोरम सरकार और असम राइफल्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सेनाध्यक्ष और असम राइफल्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई बैठकों के बाद पिछले साल 23 अक्तूबर को अर्धसैनिक बल के प्रतिष्ठान को जोखावसंग में स्थानांतरित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। 15 मार्च को, शाह ने एजल से जोखावसंग में असम -शेष पृष्ठ दो पर

शीर्ष नेतृत्व वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखकर अपनी योजनाएं बनाए : राजनाथ

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेना के कमांडरों से वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक को शामिल करते हुए योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा वैश्विक घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हैं और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हों या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि *हाइब्रिड युद्ध* भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होंगे। साइबर, सूचना, संचार, व्यापार और वित्त सभी भविष्य के संघर्षों का अभिन्न अंग बनेंगे। इसलिए सशस्त्र बलों को अपनी योजना और रणनीति बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। रक्षा मंत्री नई दिल्ली में चल रहे सेना -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कर्म न करने से, कर्म करना श्रेष्ठ है।
-श्रीमद् भागवत गीता

न्यूज गैलरी

खंडवा : कुएं में डूबे सात लोग

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव में गुरुवार शाम एक दुखद घटना घटी, जहां गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई करते समय 7 लोग डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस व प्रशासन ने रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। फिलहाल, डूबने वालों की पहचान नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

एससी के फैसले से असहमत लेकिन मानेंगे आदेश : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर असहमति जताई, जिसमें राज्य के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के 25 हजार 753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द कर दी गई हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार फैसले को मानते हुए सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करेगी। राज्य सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते -शेष पृष्ठ दो पर

छठ पूजा को लेकर तिनसुकिया में तनाव, अल्फा ने दी चेतावनी

तिनसुकिया। पूर्वी असम के तिनसुकिया कस्बे में तनाव की स्थिति तब पैदा हो गई जब कई दबाव समूहों ने कस्बे के ऐतिहासिक तालाब में छठ मनाने के प्रस्तावित कार्यक्रम का विरोध किया। गुरुवार को यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता-विरोधी गुट ने भी ऐतिहासिक तालाब के किनारे हिंदी भाषी समुदाय को छठ मनाने की अनुमति देने के कदम का विरोध किया और कहा कि जिला प्रशासन और तिनसुकिया नगर निगम को अनुमति देने के अपने फैसले की समीक्षा करनी चाहिए। प्रतिबंधित संगठन ने यह भी धमकी दी है कि यदि उनके निर्णय से संगठन और जिले में हिंदी भाषी समुदाय के बीच कोई संघर्ष उत्पन्न होता है तो जिला प्रशासन और नगर निगम इसके -शेष पृष्ठ दो पर

अब सभी के पास होगा सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्योरा : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि शीर्ष न्यायालय के सभी 33 जज अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी चर्चाओं के बीच लोगों के विश्वास को बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक करने पर सहमति -शेष पृष्ठ दो पर

डोनाल्ड ट्रंप ने की एलन मस्क की छुट्टी

वाशिंगटन (हि.स.)। ट्रंप प्रशासन में सबसे ताकतवर अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) से छुट्टी होगी। एलन मस्क को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप ने निर्वाचित होने के बाद डीओजीई को सृजित कर इसका प्रमुख मस्क को बनाने की घोषणा की थी। अमेरिकी डिजिटल अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा से बैंकॉक में मुलाकात की। गवर्नमेंट हाउस पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने स्वागत किया। यह उनकी दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले, दोनों नेताओं की मुलाकात अक्तूबर 2024 में वियनतियाने में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की। उन्होंने राजनीतिक आदान-प्रदान, रक्षा और सुरक्षा साझेदारी, रणनीतिक जुड़ाव, व्यापार और निवेश तथा लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। ऐसा करते हुए उन्होंने कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्टार्ट-अप, नवाचार, डिजिटल, शिक्षा, संस्कृति और पर्यटन सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी और साइबर घोटाले सहित अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराधों का मुकाबला करने के लिए सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और बिम्सटेक, आसियान और मेकांग गंगा सहयोग सहित उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय -शेष पृष्ठ दो पर

कानूनों में स्पष्टता और सरलता आवश्यक : लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि विधायी प्रारूपण विधि का आधार है। विधि निर्माण में स्पष्टता और सरलता पर जोर देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि कानून लंबे समय तक समाज और लोगों को प्रभावित करते हैं, ऐसे में कानून स्पष्ट और सरल होने चाहिए ताकि आम लोग उन्हें समझ सकें। इससे न्यायालयों में वादों की संख्या में कमी आएगी और संसाधनों की भी बचत होगी। बिरला ने कहा कि विश्व में तेजी से हो रहे सामाजिक-आर्थिक बदलाव को देखते हुए विधि निर्माताओं और अधिकारियों के लिए विधायी प्रारूपण से सुपरिचित होना बहुत आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों की आवश्यकताएं पूरी हों। इससे सदन में भी अर्थपूर्ण बहस को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आज संसद भवन में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विधेयक किसी पार्टी के हित में नहीं, देश हित में : रास में जेपी नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा के दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद किसी पार्टी के हित में नहीं, बल्कि देश हित में है। वक्फ (संशोधन) विधेयक–2025 का मूल उद्देश्य रिफॉर्म्स लाकर वक्फ की प्रॉपर्टी का उचित मैनेजमेंट करना है। प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली सरकार पूरी तरह से डेमोक्रेटिक नॉर्म्स को फॉलो करके आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक किसी पार्टी के हित में नहीं है, बल्कि यह देश के हित में है। उन्होंने चर्चा के दौरान कहा कि क्या वक्फ की संपत्ति सही प्रबंधन नहीं होना चाहिए? इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या कदम नहीं उठाए जाने चाहिए? क्या वे जवाब देह नहीं होने चाहिए। यह विधेयक वक्फ संपत्ति को जवाब देह बनाने के लिए है। जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास* इस मंत्र को लेकर चले हैं और इसको उन्होंने पूरा किया है। मोदी की गरीब कल्याण अन्न योजना से लेकर पीएम आवास योजना, शौचालय... सभी योजनाओं का लाभ हर वर्ग के जरूरतमंदों को मिला है, देश की जनता को मिला है। हम सिर्फ बोलते नहीं, बल्कि सच्ची सेवा करते हैं। इस विधेयक के माध्यम से हमने कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम समुदाय का, वक्फ की प्रॉपर्टी का सही से उपयोग हो सके। इस बिल में उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रॉपर्टी सही हाथों में रहे। उन्होंने कहा कि मिस्त्र में ट्रिपल तलाक 1929 में समाप्त हो गया था, बांगलादेश 1972 में समाप्त हो गया, सिरीया में 1959 में समाप्त हो गया लेकिन भारत ही था जिसमे ट्रिपल तलाक जारी था, प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रथा को खत्म करने का काम किया। यह एक ऐतिहासिक फैसला था। उन्होंने कहा कि मुस्लिम देश भी जब वक्फ बोर्ड की संपत्ति का दुरुपयोग रोकने के लिए प्रबंध कर रहे तो हमारा देश में करने क्या दिक्कतें हैं। जे पी नड्डा ने कहा कि 1913 से 2013 तक वक्फ के पास 18 लाख हेक्टेयर संपत्ति थी। 2013 से अब तक वक्फ संपत्तियों में 21 लाख हेक्टेयर जमीन जुड़ गई है। इन जमीनों और संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए हमने 2013 के वक्फ अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कानून एक विकसित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सभी लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन कर रही है। आपने (विपक्ष ने) संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग की थी, और हमने इसका गठन किया। 2013 में जब वक्फ बिल के लिए जेपीसी का गठन किया गया था, तब इसमें केवल 13 सदस्य थे। लेकिन मोदी सरकार के तहत गठित जेपीसी में 31 सदस्य हैं।

वक्फ बिल में कुछ कमी है तो उसे ठीक करके लाया जाना चाहिए : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वक्फ (संशोधन) विधेयक–2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पूरे देश में एक ऐसा माहौल बना है, जिससे ध्वनित होता है कि यह अल्पसंख्यकों को परेशान करने के लिए लाया गया है। लोकसभा में यह बिल जितने कम अंतर से पास हुआ, वह यह प्रदर्शित करता है कि इसमें कुछ खामियां हैं। जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला तरीका छोड़ना होगा। यह दान करने का बिल है। यह कोई और तरीके से दान लाने का बिल नहीं है। इसमें अल्पसंख्यकों के हक हकूक का ख्याल रखा जाना चाहिए। सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से उन्होंने अपील की कि अगर बिल में कुछ कमी है तो उसे ठीक किया जाना चाहिए और उसके बाद इसे लाया जाना चाहिए। अल्पसंख्यक विभाग को आपने पिछले पांच साल में 18,274 करोड़ में से 3,574 करोड़ रुपए खर्च नहीं हुए। इससे लगता है कि आप अल्पसंख्यकों का ढंग से ख्याल नहीं रख रहे हैं। अल्पसंख्यकों के पांच कार्यक्रम आपने बंद कर दिया। 1995 और 2013 के एक्ट को सर्वसम्मति से स्वीकार किया लेकिन आज उसमें संशोधन किया जा रहा है। इसमें कुछ नए क्लॉज जरूर जोड़े गए हैं लेकिन उनसे अल्पसंख्यकों का भला नहीं होने वाला है। मेरी अपील है कि ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए जो हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने–बाने को नष्ट करे। यही चंद बातें कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और साथ ही इस बिल का पुरजोर विरोध करता हूं।

समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लें अधिकारी : नायब सैनी

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लें और अति शीघ्र निपटान सुनिश्चित करें। उन्होंने शिविरों में आई शिकायतों की समीक्षा भी की। नायब सिंह सैनी गुरुवार को सभी जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों और उन पर हुई कार्रवाई की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लंबित मामलों की जांच और नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निपटान को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा नागरिकों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने की है। इस उद्देश्य से आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें ताकि जनता का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद उपायुक्त अनीश यादव ने जिले के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री स्वयं इन शिकायतों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों को हल करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। शिकायत का निपटान होने के बाद एटीआर को भी अपलोड किया जाए। समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाना और उनकी प्रशासन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है।

कलगाछिया के बलाइपथार में आईपीएल जुआरी गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के कलगछिया पुलिस ने आईपीएल जुआ के मास्टर आईडी, मोबाइल फोन सहित अन्य दस्तावेजों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कलगाछिया पुलिस थाने के अंतर्गत बलाइपथार गांव के नामचीन आईपीएल जुआरी आसिरुद्दीन (37) को बुधवार की रात के समय आईपीएल खेल में जुआ खेलते हुए कलगछिया पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, कलगछिया थाने के प्रभारी पुलिस अधिकारी दिव्य कमल दत्त के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने गुप्त अभियान चलाकर जुआरी के पास से एक मोबाइल फोन, जुआ खेलने की आईडी और अन्य दस्तावेज जब्त किए। आसिरुद्दीन की गिरफ्तारी की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की, साथ ही आईपीएल जुए से जुड़े अन्य तत्त्वों की गिरफ्तारी के लिए कलगछिया जिला आमसू ने मांग की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पंजाब सरकार सस्ती दर पर रेत व बजरी मुहैया करवाएगी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में बड़ा मुद्दा बने अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए सरकार नए नियम लागू करने जा रही है। इसके अलावा प्रदेश की जनता को मकान निर्माण के लिए सस्ती दर पर रेत व बजरी मुहैया करवाई जाएगी। चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में माइनिंग व क्रशर पॉलिसी 2023 के संशोधन को मंजूरी दी गई। इसमें डिमांड व सप्लाई के अंतर को कम करने, अवैध खन्नन रोकने, राजस्व बढ़ाने और लोगों को सस्ते रेट पर रेत बजरी मुहैया करवाने के लिए फैसला लिया है। इसमें पहले सार्वजनिक खनन स्थल और कॉमर्शियल खनन साइट को शामिल किया गया था, जबकि अब तीन नई कैटेगरी जोड़ी गई हैं। बैठक के बाद पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बताया कि इसमें पहली कैटेगरी क्रशर खनन साइट शामिल की गई है। इस स्कीम में जिन क्रशर मालिकों के पास स्वयं की भूमि है, वे अपनी भूमि का उपयोग कर सकेंगे या पट्टे पर भूमि ले सकेंगे। वे सरकार को रॉयल्टी का भुगतान करेंगे। एक निश्चित सीमा तय की जाएगी, जिसके अनुसार वे खन्नन कर पांएगे। उन्होंने बताया कि दूसरी लैंड ऑनर कैटेगरी बनाई गई। इस कैटेगरी में जिन किसानों के खेतों में रेत उपलब्ध है, वे स्वयं भी रेत की बिक्री कर सकेंगे। वे समूह के माध्यम से या खुद स्थल पर बिक्री कर सकेंगे। सरकारी भूमि के संबंध में डीसी निर्णय लेंगे। दो की जगह अब पांच स्थान होंगे, जिससे रेत की कीमतें कम होंगी और यह आसानी से उपलब्ध होगी। पहले पर्यावरण मंजूरी सरकार लेकर देती थी, अब व्यक्ति स्वयं यह मंजूरी प्राप्त कर सकेंगे और अपना कार्य कर सकेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

वक्फ संशोधन विधेयक...

भी वक्फ संपत्तियां हैं, उसका बहुत कम प्रतिशत ही चैरिटेबल कार्यों के लिए उपयोग किया जाता है। वहीं, संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों के रुख की आलोचना करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि वे सच स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष वक्फ बिल को असंवैधानिक बता रहा है, लेकिन असंवैधानिक क्यों है इसके पीछे तर्क नहीं दे पा रहे। इसलिए मैंने उम्मीद छोड़ दी है कि वो लोग समझेंगे। इससे पहले, बुधवार की सुबह केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा था कि विधेयक केवल वक्फ से जुड़ी संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़ा है और इसका धार्मिक विषयों से कुछ लेना–देना नहीं है। विपक्ष मुसलमानों को अपना वोट बैंक मानता है और उसे गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। यह विधेयक न केवल मुसलमानों बल्कि देश के हित में है और इसके पारित होने पर विपक्ष को भी बदलाव का अनुभव होगा। *वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025* के साथ इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2025 लाया गया है। नए विधेयक का नाम अंग्रेजी में यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इंपावरमेंट इफिशिएंट एंड डेवलपमेंट बिल (उम्मीद बिल) रखा गया है। हिन्दी में यह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा।

बीजेडी का यू-टर्न...

किया कि बीजू जनता दल ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम रखा है, तथा सभी समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित किया है। हम वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के बारे में अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यक्त की गई विभिन्न भावनाओं का गहरा सम्मान करते हैं। हमारी पार्टी ने इन विचारों पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए, राज्य सभा में हमारे माननीय सदस्यों को न्याय, सद्भाव और सभी समुदायों के अधिकारों के सर्वोत्तम हित में अपने विवेक का प्रयोग करने की जिम्मेदारी सौंपी है, यदि विधेयक मतदान के लिए आता है। पार्टी का कोई व्हिप नहीं है। सरकार ने पिछले साल अगस्त में पेश किए गए कानून की जांच करने वाली संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद संशोधित विधेयक पेश किया। विधेयक 1995 के अधिनियम में संशोधन करने और भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार करने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य पिछले अधिनियम की कमियों को दूर करना और वक्फ बोर्डों की दक्षता बढ़ाना, पंजीकरण प्रक्रिया में सुधार करना और वक्फ रिकॉर्ड के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका बढ़ाना है। इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक पर विचार करने के लिए प्रस्ताव पेश किया।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान...

और आवासों में गतिविधि बढ़ गई है। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे उच्च–प्रोफाइल व्यक्तित्वों की यात्राओं से काजीरंगा की स्थिति और भी बढ़ गई है, जिन्होंने 1974 में राष्ट्रीय उद्यान के रूप में इसकी घोषणा के बाद से पार्क का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में इतिहास बनाया। इसके अलावा, न्यूयॉर्क टाइम्स ने काजीरंगा को *जरूर देखने लायक* विश्व गंतव्य के रूप में सूचीबद्ध किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में, असम सरकार राज्य में सतत विकास और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक सफारी वाहनों के लिए प्रोत्साहन जैसी हरित पर्यटन परियोजनाओं को प्रोत्साहित कर रही है।

गुवाहाटी करेगा दाफ्रीका के ...

ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के बाद, भारत दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी–20 मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। पहला टेस्ट 14–18 नवंबर तक नई दिल्ली में और दूसरा 22–26 नवंबर तक गुवाहाटी में खेला जाएगा। इसके अतिरिक्त, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के घरेलू मैदान पर सितंबर में महिला विश्व कप का उद्घाटन समारोह आयोजित होने की उम्मीद है।

इसरो असम में ...

से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और छात्रों और जनता को लाभ पहुंचाने के लिए क्षेत्र में एक अंतरिक्ष संग्रहालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा। डॉ नारायणन ने प्रस्ताव का स्वागत किया और इस प्रयास में इसरो के समर्थन का आश्वासन दिया।

पत्नी और बेटी के साथ...

दिवसीय प्रवास के दौरान, तेंदुलकर परिवार जीप और हाथी सफारी का आनंद लेंगे, और एक सींग वाले गैंडे के प्रसिद्ध आवास का अनुभव करेंगे। 9 अप्रैल को, सचिन और उनका परिवार अगले दिन मुंबई वापस जाने से पहले श्रद्धेय कामाख्या मंदिर में पूजा करने के लिए गुवाहाटी लौटेंगे। सभी समय के महानतम क्रिकेटरों में से एक माने जाने वाले तेंदुलकर के नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड हैं। पूर्वोत्तर की उनकी पहली यात्रा ने प्रशंसकों और शुभचिंतकों में उत्साह पैदा कर दिया है, जो क्रिकेट के इस दिग्गज खिलाड़ी की एक झलक पाने के लिए उत्सुक हैं।

असम राइफल्स द्वारा ...

राइफल्स के प्रतिष्ठानों के स्थानांतरण के अवसर पर एक समारोह में भाग लिया था। असम राइफल्स के बेस एजल के जोडिन स्क्वायर (लामुअल) और खटला इलाकों में हैं। इनके अलावा, अर्धसैनिक बल के पास तुईखुआतलांग पड़ोस में राजभवन के पास एक डीआईजी आवास, जोडिन के पास तुईकुअल इलाके में एक कमांडेंट बंगला (लोच हाउस) और एक चर्च, मुख्यमंत्री के बंगले के पास बाबुतलांग में और राज्य की राजधानी के पूर्वी हिस्से में चिट्टे में जमीन और जोडिन क्षेत्र में युद्ध स्मारक और मंदिर आदि हैं। अक्तूबर में हुए समझौते के अनुसार, देश का सबसे पुराना अर्धसैनिक बल जोखावसंग में स्थानांतरित हो जाएगा और एजल में अपनी 100 एकड़ से अधिक भूमि और प्रतिष्ठानों को राज्य सरकार को हस्तांतरित कर देगा। समझौते में कहा गया है कि असम राइफल्स अपने 23 सेक्टर मुख्यालय, एजल के खाटला क्षेत्र में मिजोरम रेंज और राजभवन के पास डीआईजी आवास को बरकरार रखेगी, दोनों का क्षेत्रफल लगभग 96.73 एकड़ है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार अर्धसैनिक बल को खाली की जाने वाली जमीनों और प्रतिष्ठानों के लिए मूल्यह्रास लागत देगी। लालदुहोमा ने कहा कि असम राइफल्स द्वारा खाली की गई जमीन और भवन सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित रहेंगे और उपयोग पर फैसला करने के लिए सभी पक्षों और गैर सरकारी संगठनों को शामिल करते हुए एक समिति गठित की जाएगी। राज्य के भूमि राजस्व और बंदोबस्त मंत्री बी लालछानजोवा के अनुसार, 1954 से एजल में असम राइफल्स के बसे हुए क्षेत्रों में लगभग 54 व्यक्तियों के पास जमीन है। उन्होंने बताया कि 54 निजी भूस्वामियों में से 13 ने अपनी जमीनें राज्य सरकार को सौंप दी हैं, जबकि 11 अन्य ने स्वामित्व बरकरार रखने के लिए सरकार के खिलाफ उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। 1988 में पूर्व मुख्यमंत्री लालडेंगा के नेतृत्व वाली तत्कालीन मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार ने अर्धसैनिक बल के साथ हिंसक झड़प में 11 नागरिकों के मारे जाने के बाद एजल के केंद्र से जोखावसंग में एआर ठिकानों को स्थानांतरित करने की मांग उठाई थी। लालदुहोमा ने असम राइफल्स के प्रतिष्ठानों को जोखावसंग में स्थानांतरित करने के लिए कदम उठाने और कार्य में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पिछली सरकारों को धन्यवाद दिया। फरवरी 2019 में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अर्धसैनिक बल को उस वर्ष 31 मई तक अपने ठिकानों को जोखावसंग में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था। हालांकि, असम राइफल्स द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद कि कुछ बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का समाधान किया जाना बाकी है, स्थानांतरण में देरी हुई। जोखावसंग परिसर का उद्घाटन अप्रैल 2023 में अमित शाह द्वारा किया गया था।

छठ पूजा को लेकर...

लिए जिम्मेदार होंगे। यहां यह उल्लेखनीय है कि स्थानीय समुदायों के दबाव समूह, लचित सेना ने प्रशासन द्वारा शहर में ऐतिहासिक न–पुखुरी तालाब को छठ के लिए उपयोग करने की अनुमति देने के कदम का इस आधार पर विरोध किया है कि यह एक पुरातात्विक स्थल है। बुधवार को सैकड़ों आदिवासी समुदाय के लोग छठ पूजा की अनुमति दिए जाने के विरोध में सड़कों पर उतर आए। पिछले दो दिनों से वे शहर में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन भी कर रहे हैं। अपने विरोध प्रदर्शन के बाद हिंदी भाषी समुदाय के लोगों ने भी न–पुखुरी पर छठ मनाने के अपने अधिकार की मांग की, जिसके लिए उन्हें जिला प्रशासन से अनुमति मिल गई है। लचित सेना के एक सदस्य ने कहा कि हम न–पुखुरी के तट पर छठ पूजा मनाने की अनुमति नहीं देंगे। यह एक ऐतिहासिक स्थल है जिसका इतिहास मुत्तौक राजा सर्वानंद सिंहा से जुड़ा है। बुधवार रात से स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब कुछ लोगों ने न–पुखुरी में प्रवेश किया और छठ उत्सव के लिए की गई सजावट को नष्ट कर दिया, जिसके बाद जिला प्रशासन को स्थिति को कानून और व्यवस्था का मुद्दा बनने से रोकने के लिए क्षेत्र में पुलिस तैनात करनी पड़ी। कुछ दिन पहले प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन ने हिंदी भाषी समुदाय द्वारा 22 मार्च को तिनसुकिया में बिहार दिवस मनाने के कदम का भी विरोध किया था, जिसके कारण इसे रद्द करना पड़ा था। अल्फा द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा गया कि यह ऐतिहासिक न–पुखुरी का हिंदूकरण करने की कोशिश है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम जिला प्रशासन से आग्रह कर रहे हैं कि वह छठ के लिए ऐतिहासिक तालाब के इस्तेमाल की अनुमति रद्द करे, ऐसा न करने पर इस मुद्दे से उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति के लिए वे जिम्मेदार होंगे। असम की राजधानी गुवाहाटी से करीब 500 किलोमीटर दूर स्थित तिनसुकिया एक व्यापारिक शहर है, जहां ज्यादातर बंगाली और हिंदी भाषी लोग रहते हैं। बिहार दिवस मनाने और छठ के लिए न–पुखुरी तालाब का इस्तेमाल करने के कदम को सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा हिंदू बंगालियों और हिंदी भाषी आबादी को अपने पक्ष में करने के कदम के रूप में भी देखा जा रहा है, जो कई सालों से एक बड़ा वोट बैंक है।

अब सभी के पास ...

जताई है। पूर्ण न्यायालय की बैठक में ये फैसला लिया गया है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश अपनी संपत्ति का डेटा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी। बता दें, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के सभी जज अपनी संपत्ति का ब्योरा पहले ही द चुके हैं, लेकिन इन जानकारियों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने की...

ट्रंप ने मंत्रिमंडल सदस्यों सहित अपने करीबी लोगों को बता दिया है कि एलन मस्क आने वाले हफ्तों में अपनी वर्तमान भूमिका से पीछे हट जाएंगे। ट्रंप और मस्क के बीच इस पर चर्चा हो चुकी है। मुलाकात में फैसला किया गया है कि जल्द ही मस्क अपने कारोबार की दुनिया में वापस लौट जाएंगे। पॉलिटिको का कहना है कि ट्रंप की किचन कैबिनेट के तीन प्रभावशाली व्यक्तियों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर मस्क की जल्द ही डीओजीई से विदा किए जाने की पुष्टि की। यह खबर डेमोक्रेटिक समर्थित उम्मीदवार जज सुसान क्रॉफोर्ड के विस्कॉन्सिन राज्य के सुप्रीम कोर्ट की दौड़ जीतने के बाद आई है। इस जीत को राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के लिए सबसे तगड़ा झटका बताया गया है। सुसान को हराने के लिए मस्क ने अकूत पैसा खर्च किया, बावजूद इसके वो सफल नहीं हो सके। हालांकि एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि मस्क सलाहकार के रूप में अनौपचारिक भूमिका में बने रहेंगे। मस्क मई के अंत या जून की शुरुआत में डीओजीई की भूमिका से मुक्त हो जाएंगे। पॉलिटिको ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया है कि ट्रंप ने 24 मार्च की कैबिनेट बैठक में मस्क के हटाने के संकेत दिए थे।

शीर्ष नेतृत्व वैश्विक ...

कमांडरों के सम्मेलन में तीसरे दिन के सत्र की अध्यक्षता करते हुए भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने वर्तमान भू–रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति पर जोर दिया, जो वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान गतिशील भू–रणनीतिक परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के साथ चल रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र बलों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों चुनौतियों का समाधान करते हुए योजना तैयार करनी चाहिए। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में आधुनिक तकनीक को शामिल करने वाली सैन्य खुफिया के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने उत्तरी सीमा की मौजूदा स्थिति पर तैनात सशस्त्र बलों की दृढ़ता और सतर्कता के लिए सराहना की तथा कहा कि ऐसा ही जारी रहना चाहिए। रक्षा मंत्री ने बीआरओ के प्रयासों को सराहा, जिसके कारण कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए पश्चिमी और उत्तरी दोनों सीमाओं पर सड़क संचार में भारी सुधार हुआ है। सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन को हर समय सहायता प्रदान करने में सेना की सराहनीय भूमिका पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना सुरक्षा, एचएडीआर, चिकित्सा सहायता से लेकर देश में स्थिर आंतरिक स्थिति बनाए रखने तक हर क्षेत्र में मौजूद है। उन्होंने सेना कमांडरों के सम्मेलन में राष्ट्र के *रक्षा और सुरक्षा* दृष्टिकोण को नई ऊंचाइयों पर सफलतापूर्वक ले जाने के लिए सेना नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने पश्चिमी सीमा पर आतंकवाद के प्रति भारतीय सेना की प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि विरोधी की ओर से छद्म युद्ध जारी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफ, पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और ऐसा ही होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि सैन्य बलों की उच्चस्तरीय परिचालन तैयारियों और क्षमताओं का अनुभव वे हमेशा अग्रिम क्षेत्रों की अपनी यात्राओं के दौरान करते रहे हैं। सम्मेलन में भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व ने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्यों, सीमाओं पर स्थिति, भीतरी इलाकों में स्थिति और वर्तमान सुरक्षा तंत्र के लिए चुनौतियों के सभी पहलुओं पर व्यापक रूप से विचार–विमर्श किया। इसके अलावा सम्मेलन में संगठनात्मक पुनर्गठन, रसद, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्वदेशीकरण के माध्यम से आधुनिकीकरण, आला प्रौद्योगिकियों को शामिल करने और विभिन्न मौजूदा वैश्विक स्थितियों के प्रभाव के आकलन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

पीएम मोदी ने थाईलैंड ...

मंचों में घनिष्ठ सहयोग बनाने के तरीकों पर चर्चा की। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत–थाईलैंड रणनीतिक साझेदारी की स्थापना पर संयुक्त घोषणापत्र का आदान–प्रदान किया। उन्होंने हथकरघा और हस्तशिल्प, डिजिटल प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और समुद्री विरासत के क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान भी देखा। दोनों नेताओं ने भारत–थाईलैंड कांसुलर वार्ता की स्थापना का भी स्वागत किया, जो दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संपर्क को और सुविधाजनक बनाएगा। बयान में कहा गया है कि सद्भावना के संकेत के रूप में थाई सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को चिह्नित करने के लिए 18वीं शताब्दी के रामायण भित्ति चित्रों को दर्शाते हुए एक विशेष डाक टिकट जारी किया। दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को शिनावात्रा द्वारा पाली में बौद्ध धर्म के पवित्र ग्रंथ त्रिपिटक का एक विशेष संस्करण भेंट किया गया। भारत और थाईलैंड के बीच घनिष्ठ सभ्यतागत संबंधों को और गहरा करने के संकेत के रूप में प्रधानमंत्री ने गुजरात से खुदाई करके लाए गए भगवान बुद्ध के अवशेषों को थाईलैंड भेजने की पेशकश की, ताकि लोग उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट कर सकें। पिछले साल भगवान बुद्ध और उनके दो शिष्यों के पवित्र अवशेष भारत से थाईलैंड आए थे और 4 मिलियन से अधिक लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। भारत और थाईलैंड समुद्री पड़ोसी हैं, जिनके बीच सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक संबंध हैं, जिनमें रामायण और बौद्ध धर्म के संबंध भी शामिल हैं। थाईलैंड के साथ भारत के संबंध हमारी *एक्ट ईस्ट* नीति, आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी, विजन महासागर और इंडो–पैसिफिक के हमारे दृष्टिकोण का एक अभिन्न स्तंभ हैं। दोनों देशों के बीच निरंतर बातचीत ने सदियों पुराने संबंधों और साझा हितों के आधार पर एक मजबूत और बहुआयामी संबंध को जन्म दिया है।

कानूनों में स्पष्टता ...

आयोजित 36वें अंतर्राष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 13 देशों के कुल 28 प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की भूमिका के बारे में बात करते हुए बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्राइड पूरी दुनिया के विधानमंडलों को प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि अच्छा विधायी प्रारूपण ही प्रभावी कानून का आधार है। इसलिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए बहुत उपयोगी हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 मार्च से 22 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आईटीईसी (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) योजना के भाग के रूप में भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भारत के संविधान, विधायी प्रक्रिया, संसदीय विशेषाधिकार, प्रशासनिक विधि, उपभोक्ता संरक्षण और नए आपराधिक कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को विधि एवं न्याय मंत्रालय तथा राज्य विधानमंडलों के साथ भी सम्बद्ध किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही भी देखी। वे दिल्ली न्यायिक अकादमी तथा अन्य दर्शनीय स्थलों का दौरा भी करेंगे।

खंडवा : कुएं में ...

हो पाई है। गांव के चौक में स्थित कुएं में दलदल और कचरा होने से जहरीली गैस से यह हादसा होने की बात कही जा रही है। कुएं में अंदर कितने व्यक्ति है, इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही एसपी मनोज राय, एसडीएम बजरंग बहादूर सिंह और छैगांवमाखन पुलिस मौके पर रवाना हो गई है। घटना से गांव में मातम पसर गया है। खंडवा से होमगार्ड की रेस्क्यू टीम मौक पर पहुंच कर कुएं में उतरने का प्रयास कर रही है। कुएं में गैस का प्रभाव कम करने के लिए पानी डाला जा रहा हैं। मौके पर क्रेन, एंबुलेंस सहित प्रशासन की पूरी टीम मोर्चा संभाल चुकी है। पंधाना विधायक छाया मोरे ने भी गांव पहुंच कर घटना की जानकारी ली। घटना गुरुवार दोपहर करीब चार बजे की है। को जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन के लिए ये लोग कुएं की सफाई करने उतरे थे। कुएं में बड़ी मात्रा में गाद जमी हुई है। इसी गाद के नीचे सभी के दबे होने की आशंका है।

एससी के फैसले से ...

हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मैं न्यायपालिका और न्यायाधीशों का अत्यधिक सम्मान करती हूं लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेगी, लेकिन जो भी कानूनी रास्ते उपलब्ध हैं, उन्हें आजमाया जाएगा। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस मामले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं लेकिन भाजपा नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वे नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों और कर्मियों से मुलाकात करेंगी और उन्हें आश्वस्त करेंगी कि उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। ममता बनर्जी ने ये भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को लागू करने के लिए तीन महीने का समय दिया है और इस समय सीमा के अंदर वह इसे निश्चित तौर पर लागू करेंगी।

न्यू बंगाईगांव कारखाना ने हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धियां

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के न्यू बंगाईगांव कारखाना ने मार्च, 2025 में रेलवे संचालन में दक्षता, गुणवत्ता और आधुनिकीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए कई प्रमुख कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। बढ़ी हुई दक्षता और भविष्य के संदर्भ के लिए पूर्ण रिकॉर्ड बनाए रखते हुए इस कारखाना ने रेलवे बोर्ड, आरडीएसओ और पूसीरे के मुख्यालय से अनुशंसित सभी संशोधनों के साथ 100 प्रतिशत अनुपालन हासिल किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया है कि पुराने कैरेज लिफ्टिंग शॉप को खाली कर दिया गया और आईसीएफ कोचों को नवस्थापित एलएचबी कोरोशन रिपेयर शॉप में स्थानांतरित करने के बाद फर्श संबंधी कार्य के लिए इंजीनियरिंग विभाग को सौंप दिया गया। इस बीच, छत की लीक की पहचान के लिए कवर किए गए वागनों का शॉवर परीक्षण शुरू हो गया है, जिससे रोलिंग स्टॉक की विश्वसनीयता और दीर्घकालिकता में सुधार हो रहा है। सौंदर्य और दीर्घकालिकता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, पारंपरिक पेंटिंग के विकल्प के रूप में एक एलएचबी 2-टियर एसी कोच पर विनाइल रैपिंग की गई। इसके अतिरिक्त, अगले दो महीनों में और 125 कोचों को विनाइल-रैप करने के लिए एक निविदा प्रक्रिया चल रही है। कोचिंग गतिविधियों के हिस्से के रूप में, आईसीएफ, एलएचबी, डेमू और एसपीएआरटी सहित विभिन्न श्रेणियों के कुल 77 कोच की सफल आवधिक ओवरहालिंग (पीओएच) की गई। इसके अतिरिक्त, ट्रॉली डिस्पैच में एसएस1 के लिए 35 कोच सेट और आईओएच आईसीएफ के लिए 65.50 कोच सेट शामिल थे, जिससे सभी मंडलों में निर्बाध संचालन की सुविधा मिली। न्यू बंगाईगांव कारखाना ने मार्च 2025 में 145 वैगनों को सफलतापूर्वक निकाले। इसके अतिरिक्त, तीन वैगनों को ट्विन पाइप एयर ब्रेक सिस्टम में अपग्रेड किया गया, जिससे 2024-25 के लिए कुल संचयी 253 हो गया। उल्लेखनीय रूप से पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए न्यू बंगाईगांव कारखाना से निकले सभी वैगन अब इस प्रणाली से पूरी तरह से सुसज्जित हैं। उक्त महीने के दौरान, दरवाजे की ऊंचाई में कमी और दरवाजे को अवरुद्ध करने के लिए 10 वैगनों को ठीक किया गया, जिससे 2024-25 में कुल 122 और कुल आंकड़ा 291 हुआ।

राज्यपाल ने 2024 के सर्वोच्च राज्य नागरिक पुरस्कार प्रदान किए

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज शहर के श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित एक समारोह में 2024 के सर्वोच्च राज्य नागरिक पुरस्कार प्रदान किए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल हुए। राज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान असम बैभव पुरस्कार लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता (सेवानिवृत्त) को प्रदान किया गया। असम सौरभ सम्मान सुब्रमण्यम रामादोराई (शिक्षाविद्), डॉ. बप्पी पॉल [विज्ञान और तकनीक (पर्यावरण विज्ञान)], डॉ. पूरबी सैकिया [विज्ञान और तकनीक (पर्यावरण विज्ञान] द्विपेन बरुवा [कला और संस्कृति (गायक)], हेमंत दत्ता [कला और संस्कृति (नाटककार)] और उमा छेत्री [खेल (क्रिकेट)] को प्रदान किया गया। असम गौरव पुरस्कार फुलेश्वरी दत्ता [वन्यजीव संरक्षण], मीनाक्षी दास [खेल (मोटरबाइकिंग)], पार्थिव सुंदर गोगोई [खेल (फुटबॉल)], धीरेंद्र नाथ पॉल [हस्तशिल्प (टेराकोटा कारीगर)], हरिदास दास [हस्तशिल्प (पीतल धातु कारीगर)], बिनॉन्ग तेरोन [सामाजिक कार्य (छात्रों के लिए कोचिंग)], नजरूल हक [जलीय कृषि (मछली पालन)], विश्वजीत बोरा [कृषि एवं संबद्ध], भरत चौधरी कलिता [डेयरी: दूध उत्पादन], बरलंगफा नार्ज़ारी [कला और संस्कृति (लोक संगीत)], राम शशोनी [कला और संस्कृति (गायक और कलाकार)], उपमन्यु बोरकाकोती [स्टार्टअप/एमएसएमई], डेविड प्रतिम गोगोई [स्टार्टअप/एमएसएमई], सोरन अहम (मंगल सिंह तेरोन द्वारा प्रतिनिधित्व) [पारिस्थितिकी पर्यटन], बरेकुरी गांव (दिप्लोब सुटिया द्वारा प्रतिनिधित्व) [वन्यजीव संरक्षण], हाती बंधु एनजीओ (प्रदीप कुमार भुइयां द्वारा प्रतिनिधित्व) [वन्यजीव संरक्षण] को प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह में कैबिनेट मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

झरने के पानी में डूबा छात्र, तलाश जारी

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के पानीमूर इलाके में पहाड़ी झरने के पानी में डूबने के बाद से एक छात्र लापता हो गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पश्चिम कार्बी आंग्लांग के पानीमूर इलाके में पिकनिक मनाने गया खेरनी आदर्श जूनियर कॉलेज के 11वीं का छात्र अनीश छेत्री नहाने के लिए झरने के पानी में गया था। इसी दौरान झरने की तेज बहाव में वह बह गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम स्थानीय लोगों की मदद से झरने के पानी में डूबे छात्र की तलाश कर रही है।

लावारिस अवस्था में चोरी की स्कूटी बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने मेघालय पुलिस की मदद से चोरी की स्कूटी बरामद किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि खानापाड़ा थाना क्षेत्र के पीलिंगकाटा इलाके में लावारिस अवस्था में एक नई स्कूटी को मेघालय के खानापाड़ा पुलिस की मदद से बरामद किया गया। बरामद की गई स्कूटी वशिष्ठ पुलिस थाना क्षेत्र के पाथरकुची के बाइलेन नंबर दो से चुराई गई थी। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पंचायत चुनाव के लिए भाजपा ने की रणनीतिक बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में पार्टी के प्रवक्ता, पदाधिकारी, पैनलिस्ट और कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में असम सरकार के पंचायती एवं ग्रामोन्नयन मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रंजीत कुमार दास की मौजूदगी में पंचायत चुनाव में पार्टी की जीत को बरकरार रखने की रणनीति और जनता के बीच रखने वाले मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार को असम के पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। पंचायत चुनाव के लिए दो चरणों में 2 मई और 7 मई को मतदान होगा। मतगणना 11 मई को होगी। निष्पक्ष चुनाव के लिए संवेदनशील और अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। राज्य में 25,007 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। असम में इस बार पंचायत चुनाव में कुल एक करोड़ 80 लाख 36 हजार 682 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

राज्यपाल की उपस्थिति में पुप्रमास की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

कैबिनेट मंत्रियों ने मेडल पहनाकर नए पदाधिकारियो को दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी। हाल ही में सिलचर में आयोजित पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैलाश काबरा ने सत्र 2025-2027 हेतु अपनी नई एवं ऊर्जावान कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियो के नामो की घोषणा की। प्रथम चरण में नवनियुक्त पदाधिकारियो का शपथ विधि समारोह एक गरिमामय समारोह के दौरान राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, राज्य की प्रथम महिला कुमुद देवी, असम सरकार में कैबिनेट मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, कैबिनेट मंत्री यूजी ब्रह्म, अतिरिक्त मुख्य सचिव कैलाशचंद्र समरिया, आईजीपी (कानून व्यवस्था) अखिलेश कुमार सिंह, आईएस अधिकारी मौनाक्षी सुंदरम, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा आदि की उपस्थिति में मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने सभी नए पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता का शपथ पाठ कराया। मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी में विभिन्न पदों में शपथ लेने वाले पदाधिकारियो में विनोद कुमार लोहिया-प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय), छतर सिंह गिड़िया- प्रांतीय उपाध्यक्ष, राजेन्द्र हरलालका-प्रांतीय उपाध्यक्ष, रमेश कुमार चांडक-प्रांतीय महामंत्री, दिनेश गुप्ता-प्रांतीय कोषाध्यक्ष, मनोज जैन काला-प्रांतीय संगठन मंत्री, राजकुमार सराफ-प्रांतीय संयुक्त मंत्री, सुशील गोयल-मंडलीय उपाध्यक्ष, निरंजन सिकरीया-मंडलीय सहायक मंत्री, प्रदीप भुवालका-प्रांतीय संयोजक -जन सेवा एवं बंधुत्व विकास, बजरंग सुराणा-प्रांतीय संयोजक- संगठन विस्तार एवं जन जागरण, विवेक सांगानेरिया- संयोजक प्रांतीय मिडिया सेल, श्रीमती संतोष शर्मा-प्रांतीय संयोजक नारी चेतना एवं सशक्तिकरण, श्रीमती सरला काबरा-प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं श्रीमती सरोज मित्तल-प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर शामिल किया गया। शपथ पाठ के पश्चात राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य तथा कैबिनेट मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, कैबिनेट मंत्री यूजी ब्रह्म ने सभी पदाधिकारी को मेडल पहनाकर मारवाड़ी सम्मेलन के नए सत्र में सदस्यों को उनके सफल कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

चोरी के अभूषण खरीदने के आरोप में दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चेन स्नैचिंग मामले में शामिल गिरफतार आरोपियों की निशानदेही पर सोने-चांदी के अभूषण खरीदने के आरोपी दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि वशिष्ठ पुलिस थाने की एक ईजीपीडी टीम ने पेशेवर चेन स्नैचर किशोर मेधी उर्फ सिंटू, दीपांकर कर्माकर उर्फ बाबू और आमिर अली को गिरफ्तार किया था। गिरफतार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने पानबाजार के लखटोकिया से दो आभूषण दुकानों में अभियान चला कर भारी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण को बरामद किया है। चेन स्नेचिंग के मामले में गिरफतार आरोपियों से आभूषण खरीदने के आरोप में पुलिस ने अभियान के दौरान ज्वेलरी के दोनों दुकान मालिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हेमंत आनंद राव जादव उर्फ राजू (जयशंकर रिफाइनरी ज्वेलरी शॉप) और अनीश छेत्री (अपर्णा ज्वेलरी शॉप) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण को बरामद किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 3 किलोग्राम से अधिक चांदी और सोना (आभूषण और बार), नकद 73,710 रुपए, सोना पिघलाने के उपकरण और डिजिटल वजन करने वाली मशीनें जप्त की गई है। पुलिस इस संबंध में पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

राज्यपाल ने 2025 बैच के एसीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों से की बातचीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को राजभवन में 2025 बैच के 43 एसीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों से संवाद किया। राज्यपाल ने सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सिविल सेवक देश की रीढ़ होते हैं, जो शासन की निरंतरता बनाए रखते हैं और समाज को प्रगति व समृद्धि की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि आपने एक बड़ी जिम्मेदारी वाला मार्ग चुना है, जहां आपके निर्णय, कार्य और नेतृत्व का सीधा प्रभाव लाखों लोगों के जीवन पर पड़ेगा। आचार्य ने अधिकारियों से सेवा भावना के साथ अनुशासन और संवेदनशीलता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों को राष्ट्र सेवा की उच्चतम मानकों को अपनाते हुए कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील रहना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव

एसएस मीनाक्षी सुंदरम, एएएससी के अतिरिक्त निदेशक मनोरंजन पाएंगे, राजभवन और एएएससी के अधिकारी उपस्थित रहे।

दक्षिण कामरूप के सोनतली में लगी आग दो घर जलकर राख

कामरूप (हिंस)। जिले के दक्षिण कामरूप के सोनतली में बीती रात अचानक लगी भयावह आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। हादसे में दो व्यक्ति घायल हो गए। आग सोनतली के पाठलीपाड़ा गांव में हजरत अली के घर में लगी। आग लगने के परिणामस्वरूप परिवार के दो घर पूरी तरह से जलकर राख हो गए। आग में परिवार की 10 लाख रुपए की संपत्ति के नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा आग लगने से गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से आग और तेजी से फैलने लगी, जिसके चलते दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान नगर अली और अकबर अली के रूप में की गई है। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने सोनतली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। काफी देर तक की गई कड़ी मसक्कत के बाद स्थानीय लोगों की तत्परता से आग पर काबू पाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बोड़ोलैंड अंतरिक्ष शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से कर रहा बीटीआर शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देकर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। माननीय मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) माननीय श्री प्रमोद बोरो के दूरदर्शी नेतृत्व में, बोड़ोलैंड अंतरिक्ष शिक्षा कार्यक्रम छात्रों को अंतरिक्ष शिक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए ज्ञान और कौशल से लैस कर रहा है। 2 अप्रैल, 2025 को, माननीय सीईएम माननीय श्री प्रमोद बोरो ने कोकराझार जिले के गोसाईगांव उप-मंडल के ग्राहमपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में *मथियास टुडू मेमोरियल स्पेस लेबोरेटरी* का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के पूर्व कार्यकारी सदस्य और ग्राहमपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पूर्व प्राचार्य मथियास

टुडू की स्मृति में समर्पित है, जिनका शिक्षा में योगदान अमूल्य रहा है। इस सुविधा का उद्देश्य छात्रों के बीच अंतरिक्ष से संबंधित शिक्षा और वैज्ञानिक अन्वेषण को बढ़ावा है। इस पहल को जारी रखते हुए, आज, 3 अप्रैल, 2025 को, माननीय श्री प्रमोद बोरो ने सम्मानित अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ, परबतझोरा उप-मंडल के टिपकाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक और अंतरिक्ष प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। मुख्य कार्यकारी सदस्य एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां बीटीआर के छात्रों को विश्व स्तरीय अंतरिक्ष शिक्षा तक पहुंच मिले, जो उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए उनके जुनून को प्रज्वलित करे। इस दृष्टि के हिस्से के रूप में, बीटीआर के दस मेधावी छात्रों को 25 और 26 मार्च, 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में इसरो और साइंस सिटी के अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एसएसी) की प्रतिष्ठित दो दिवसीय एक्सपोजर यात्रा के लिए चुना गया था। बीटीआर ने इससे पहले सिदली-काशीकोत्रा हायर सेकेंडरी स्कूल में *चिनो बसुमतारी मेमोरियल स्पेस लेबोरेटरी* की स्थापना के साथ अंतरिक्ष शिक्षा में एक मील का पत्थर स्थापित किया था, जिसका उद्घाटन 19 जुलाई, 2024 को हुआ था। यह पूर्वोत्तर भारत के किसी सरकारी स्कूल में स्थापित पहली अंतरिक्ष प्रयोगशाला थी, जो इस क्षेत्र के शैक्षिक परिदृश्य में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं बीटीआर सरकार और मेसर्स व्योमिका स्पेस अकादमी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के बीच 23 फरवरी, 2024 को हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के बाद बीटीआर में स्थापित की जाने वाली दस ऐसी सुविधाओं में से हैं। बोड़ोलैंड अंतरिक्ष शिक्षा कार्यक्रम वैज्ञानिक शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बीटीसी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। छात्रों को आधुनिक शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके, यह पहल बीटीआर के युवाओं के लिए उज्जवल और अधिक प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

रंगिया : श्याम सुंदर तोदी नहीं रहे

रंगिया (विभास)। रंगिया के प्रतिष्ठित स्व. मोहन लाल एवं तारा देवी तोदी के बड़े पुत्र श्यामसुंदर तोदी नहीं रहे। उनका जन्म आज से 84 वर्ष पूर्व रंगिया में हुआ था। उनकी पढ़ाई लिखाई रंगिया में हुई। इसके पश्चात करीब 55-60 वर्ष की उम्र में तोदी गुवाहाटी में अपने पुत्र के पास बस गए। अपने सरल स्वभाव और मीठी बोली से दूसरों को पलभर में अपना बनाने की क्षमता उनके व्यक्तित्व का एक विशेष गुण था। तोदी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए थे। आज वे हमारे बीच नहीं हैं। उनकी अनुपस्थिति हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पिछले कई वर्षों से उनकी तबीयत नाजुक चल रही थी। अपनी बीमारी से संघर्ष करते हुए सोमवार, 24 मार्च 2025 के दिन उन्होंने अपना देह त्याग दिया और दिव्य ज्योति में विलीन हो गए। आज उनकी द्वादशी श्रद्धां सुमन अर्पित की गई।

मायुमं, नगांव एवं समृद्धि शाखा ने गणगौर के उपलक्ष्य में किया प्रतियोगिताओं का आयोजन

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा एवं समृद्धि शाखा द्वारा संयुक्त रूप से गणगौर महोत्सव के उपलक्ष में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर प्रांगण में सोमवार को किया गया। इस अवसर पर सोमवार को गणगौर विसर्जन के दिन दोपहर 2 बजे से कलं नदी के किनारे श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर प्रांगण में समाज की बहू बेटियों एवं बहूओं ने सोलह श्रृंगार कर राजस्थानी एवं पारंपरिक वेशभूषा में बढ़-चढ़कर अंश ग्रहण किया। यह प्रतियोगिता गणगौर की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने एवं समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का उत्कृष्ट प्रयास रहा। मंच द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ बेटी का प्रथम पुरस्कार सिमरन अग्रवाल, द्वितीय पुरस्कार तनीषा

आलमपुरिया तथा तृतीय पुरस्कार गुंजन खेतावत को प्राप्त हुआ वहीं सर्वश्रेष्ठ बहू का प्रथम पुरस्कार डिंपल कोठारी, द्वितीय पुरस्कार प्रियंका अग्रवाल एवं तृतीय पुरस्कार निकिता देवड़ा को मिला। सर्वश्रेष्ठ सास बहू की जोड़ी में बीना अग्रवाल एवं प्रेरणा अग्रवाल ने प्रथम तथा सीता डागा एवं अदिति डागा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ गणगौर सजाओ के प्रथम पुरस्कार पर गणगौर की सखियां ग्रुप को, द्वितीय स्थान तनीषा एवं श्वेता को मिला वही तृतीय स्थान निकिता देवड़ा और ग्रुप ने प्राप्त किया। मंच द्वारा निर्णायक मंडली हेतु संतोष शर्मा, नीतू माहेश्वरी, स्नेहा गगड़ को आमंत्रित किया था। प्रतियोगिताओं के दौरान सभी निर्णायक मंडली के सदस्यों का असम की संस्कृति के अनुसार अभिनंदन किया गया एवं सभी विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मंच की नगांव शाखा के अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों के साथ समृद्धि शाखा की अध्यक्ष ममता सिंघी, सचिव सपना पेड़ीवाल, मुस्कान जाजोदिया सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा। उक्त आशय की जानकारी मायुंम समृद्धि शाखा द्वारा दी गई है।

आईआईई ने मनाया 31वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी। भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) ने अपने परिसर में अपना 31वां स्थापना दिवस मनाया। जो इसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। आईआईई के निदेशक (प्रभारी) अहमद शाह शामसुद्दीन देवान ने संस्थान के समुहिक योगदान को स्वीकार किया और क्षेत्र के युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सहयोगी संकाय सदस्य, प्रशांत गोस्वामी ने संस्थान की शानदार यात्रा और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तहत आईआईई, उत्तर पूर्व क्षेत्र में उद्यमशीलता के विकास को आगे बढ़ा रहा है।

संपादकीय

ट्रैफिक के हवाले से

पर्यटन ने पुनः आंख खोली तो पहाड़ों पर मेहमाननवाजी का जश्न शुरू हो गया। गंतव्य तक पहुंचना अगर पर्यटक की माथापच्ची है, तो सही सलीके से कारवां चले, यह हर साल की कसरत में पर्यटन को ट्रैफिक में उलझते देखता है। अटल टनल पर परिवहन का मानचित्र बन रहा है और इस हिसाब से हर दिन औसतन पांच हजार वाहन भी आएं, तो इस सुरंग से बाहर निकलने से पहले संघर्ष कड़ा है। ट्रैफिक के सारे प्लान शिमला, मनाली, मकलोडगंज, कसौली, डलहौजी और हर छोटे-बड़े पर्यटक स्थल को वाहनों से परेशान कर देते हैं। यह महज पर्यटक सीजन नहीं, हिमाचल की बाहों में आती दौलत और हर घर में वाहन कुछ कहता है, की नसीहत है कि परिवहन को व्यवस्था की आंखों से देखा जाए। हिमाचल के अपने वाहनों की पंजीकृत संख्या अगर पच्चीस लाख के लगभग है, तो हमारा आतिथ्य भाव जिन्हें बुला रहा है, वे दो करोड़ पर्यटक भी तो सडक़ पर अपना जोश दिखा रहे हैं। दो करोड़ पर्यटकों को अगर पांच की औसत से देखें तो भी चालीस लाख अतिरिक्त वाहन हिमाचल की परिवहन व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। यानी हम अपने ही घरेलू पच्चीस लाख वाहनों को परिवहन के सांचे में नहीं ढाल पाते, तो पर्यटकों के अतिरिक्त चालीस लाख वाहनों का रेला कैसे संभाल पाएंगे। हिमाचल में पर्यटन की कई वजह हैं, लेकिन शालीन पर्यटन के कारण यहां घट रहे हैं। प्रदेश में युवा सैलानियों के रूप में पर्यटन की परिभाषा को समझे बिना हर संभावना को हम प्रदूषित कर लेंगे। पहला सडक़ पर अनुभव और दूसरा रोमांच का अनुभव। कुछ दिन पहले भागसूनाग वाटरफॉल की सेल्फी और मणिकर्ण की यात्रा में हुई अलग-अलग मौतों के बीच कहीं हमारी चेतावनियां घिस गई थीं। क्या हम यात्रा का सलीका सिखाने की अनुशासित विधि अपना नहीं सकते। हिमाचल को पर्यटन के अनुशासन में समृद्ध करना है, तो सर्वप्रथम प्रवेश द्वारों से ही मानीटरिंग सिस्टम को लैस करना पड़ेगा। पर्यटक को प्रवेश में ही एक ऐप के जरिए पंजीकरण होना चाहिए और जिसका एक केंद्रीयकृत कमांड नियंत्रण कक्ष होना चाहिए। पुलिस की चैकिंग प्रवेश द्वार पर ही इस तरह हो कि हर वाहन आगे का सफर अनुशासित ढंग से कर पाए। पर्यटक को हर स्थल तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था के लिए प्रदेश को प्रमुख मार्गों पर रूट तय करने होंगे। यह पर्यटक या अन्य स्थलों के भीतर वन वे करने से नहीं, बल्कि प्रदेश भर के तमाम मार्गों को सीजन में परिवहन के लिए स्पष्ट निर्देशों के तहत चलाने की जरूरत है। अगर भविष्य में पर्यटन की मौलिकता में प्रदेश को नाम चमकाना है, तो नए प्रवेश द्वारों के अलावा पर्यटन मार्गों व पर्यटक सर्किट के अनुरूप ट्रैफिक प्लान बनाने चाहिएं। अगर किसी पर्यटक को केवल देवी दर्शन या बौद्ध पर्यटन से जुड़े स्थानों पर जाना है, तो इसके लिए सर्किट के तहत पर्यटक रूट विकसित करने पड़ेंगे। इसी तरह किसी को धरोहर पर्यटन, किसी को साहसिक पर्यटन या किसी को झील पर्यटन से रू-ब-रू होना है, तो इनके रास्तों को सूत्रधार बनाना होगा। ट्रैफिक प्लान हर बार टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर फेल हो रहा है, तो इसके लिए सार्वजनिक परिवहन की भूमिका तथा एलिवेटिड परिवहन सिस्टम की जरूरत है। केंद्रीय सरकार अगर आगरा के लिए मेट्रो रेल परियोजना चला सकती है, तो हिमाचल जैसे राज्यों के लिए रज्जु मार्गों के नेटवर्क को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। टूरिस्ट डेस्टिनेशन से दस-पंद्रह किलोमीटर पहले ही सारे पर्यटक वाहनों को विराम देते हुए आगे का सफर रज्जु मार्ग नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से सुनिश्चित करेंगे, तो राज्य की छवि में निखार के अलावा हाई एंड टूरिज्म का विस्तार होगा। टूरिज्म क्षेत्र के विकास एवं वृद्धि दर का एक सुनियोजित खाका भी तय होना चाहिए। प्रमुख पर्यटक स्थलों के केंद्र बिंदु में छोटे-छोटे संपर्क मार्गों पर पर्यटक अधोसंरचना का विकास परिवहन व्यवस्था के दबाव को अफरातफरी में बदल रहा है।

ट्रैफिक के सारे प्लान शिमला, मनाली, मकलोडगंज, कसौली, डलहौजी और हर छोटे-बड़े पर्यटक स्थल को वाहनों से परेशान कर देते हैं। यह महज पर्यटक सीजन नहीं, हिमाचल की बाहों में आती दौलत और हर घर में वाहन कुछ कहता है, की नसीहत है कि परिवहन को व्यवस्था की आंखों से देखा जाए। हिमाचल के अपने वाहनों की पंजीकृत संख्या अगर पच्चीस लाख के लगभग है, तो हमारा आतिथ्य भाव जिन्हें बुला रहा है, वे दो करोड़ पर्यटक भी तो सडक़ पर अपना जोश दिखा रहे हैं। दो करोड़ पर्यटकों को अगर पांच की औसत से देखें तो भी चालीस लाख अतिरिक्त वाहन हिमाचल की परिवहन व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। यानी हम अपने ही घरेलू पच्चीस लाख वाहनों को परिवहन के सांचे में नहीं ढाल पाते, तो पर्यटकों के अतिरिक्त चालीस लाख वाहनों का रेला कैसे संभाल पाएंगे। हिमाचल में पर्यटन की कई वजह हैं, लेकिन शालीन पर्यटन के कारण यहां घट रहे हैं। प्रदेश में युवा सैलानियों के रूप में पर्यटन की परिभाषा को समझे बिना हर संभावना को हम प्रदूषित कर लेंगे। पहला सडक़ पर अनुभव और दूसरा रोमांच का अनुभव। कुछ दिन पहले भागसूनाग वाटरफॉल की सेल्फी और मणिकर्ण की यात्रा में हुई अलग-अलग मौतों के बीच कहीं हमारी चेतावनियां घिस गई थीं।

मध्य और पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में 'लू' चल सकती है

जल और ऊर्जाः मितव्ययिता के साथ विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी

सुनील कुमार महला

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। कहना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक गर्मी और हीटवेव को लेकर जो अलर्ट जारी किया है, वह जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट को इंगित करता है।आईएमडी के मुताबिक देश में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है।

वर्तमान में अप्रैल का महीना चल रहा है और अभी से ठीक-ठाक गर्मी पड़ने लगी है।अभी से ही उत्तर भारत गर्मी का सामना करने लगा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में इस संदर्भ में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी किया है।आईएमडी का यह अनुमान है कि इस बार अप्रैल में सामान्य से ज्यादा गर्मी पड़ेगी। गौरतलब है कि आईएमडी द्वारा कई इलाकों में 'लू'(गर्म हवाएं)का भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। कहना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक गर्मी और हीटवेव को लेकर जो अलर्ट जारी किया है, वह जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट को इंगित करता है।आईएमडी के मुताबिक देश में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। इसके अलावा मध्य और पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में 'लू' चल सकती है। आशंका जताई गई है कि पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। वास्तव में,उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप दिखेगा। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय वैश्विक तापमान(ग्लोबल वार्मिंग)में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे धरती पर गर्म लहरों की तीव्रता बढ़ रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पारिस्थितिकी तंत्र, मानव स्वास्थ्य, जीवों के स्वास्थ्य, वनस्पतियों और देश की अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ता है। सच तो यह है कि अत्यधिक गर्मी उधोगों और व्यवसायों के लिए अनेक प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि गर्मी बढ़ने से उत्पादकता में अभूतपूर्व कमी आती है।उच्च तापमान के संपर्क में आने वाले कर्मचारी गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जिससे कार्य कुशलता कम हो जाती है और उत्पादकता प्रभावित होती है।अत्यधिक गर्मी आपूर्ति शृंखलाओं(जैसे कि परिवहन व रसद में देरी) को बाधित कर

सकती है।जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, शीतलन उद्देश्यों के लिए ऊर्जा की खपत में जबरदस्त वृद्धि होती है। यह बढ़ी हुई मांग बिजली ग्रिड पर दबाव डालती है, जिससे संभावित रूप से बिजली की कटौती होती है और निरंतर ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर व्यवसायों पर असर पड़ता है और ऊर्जा की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि होती है। कहना चाहूंगा कि अत्यधिक गर्मी से कई तरह से वित्तीय नुकसान हो सकता है, जिसमें कृषि में फसल की विफलता, पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों के लिए पैदल यातायात में कमी, तथा क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के रख-रखाव की लागत में वृद्धि शामिल है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मौसम वैज्ञानिक बहुत लंबे समय से यह चेतावनी जारी कर रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग(वैश्विक तापमान) में बढ़ोत्तरी की वजह से दुनिया भर में चरम मौसमी घटनाएं बढ़ेंगी और भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। गौरतलब है कि पिछले ही वर्ष यानी कि वर्ष 2024 में पहली हीटवेव ओडिशा में अप्रैल की शुरुआत में महसूस की गई थी, जबकि इस वर्ष कोंकण व तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में फरवरी का अंत आते-आते ही होटवेव जैसी स्थितियां पैदा होने से मौसम को लेकर पहले ही अनेक प्रकार की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। यह बात ठीक है कि हम ग्लोबल वार्मिंग को एकदम से रातों-रात नहीं रोक सकते हैं, लेकिन हम गर्मी रोकने वाली गैसों और कालाशे कार्बन के मानव उत्सर्जन को कम करके इसकी दर को धीमा कर सकते हैं और ग्लोबल वार्मिंग की मात्रा को काफी हद तक सीमित कर सकते हैं।अपनी दैनिक दिनचर्याओं को समायोजित करके भी हम ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। मसलन, रिसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण), परिवहन के तरीकों को बदलकर, भोजन की बर्बादी को रोककर, अपनी ऊर्जा खपत का उचित प्रबंधन करके तथा दूसरों को पर्यावरण के प्रति शिक्षित और जागरूक करके काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग से बचा जा सकता है। आज विभिन्न मानवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी की सतह के औसत तापमान में दीर्घकालिक वृद्धि हो रही है और इसके लिए मुख्य रूप से कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन का जलना जिम्मेदार ठहराते जा सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये गतिविधियाँ ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती हैं, और हमारे नीले ग्रह के नाजुक जलवायु संतुलन को बिगाड़ती हैं। संक्षेप में कहें तो ग्लोबल वार्मिंग से तात्पर्य विशेष रूप से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण पृथ्वी की सतह के तापमान में वृद्धि से है और यही तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहा है।सच तो यह है कि तापमान में निरंतर वृद्धि दुनिया भर में व्यवधानों को बढ़ावा देती है। मसलन, अधिक चरम गर्मी पिघलती बर्फ की टोपियों से लेकर बारिश के बदलते पैटर्न तक, कृषि और जल आपूर्ति को प्रभावित करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग से समुद्र का स्तर बढ़ता है। ग्लेशियर और बर्फ की चादरें पिघलने लगतीं हैं।उच्च तापमान से तूफान, वन्य आग, बाढ़ और सूखे की घटनाएं बढ़ जाती हैं। जैव-विविधता की हानि होती है। सच तो यह है कि आज कई प्रजातियां बदलती जलवायु के अनुकूल ढलने के लिए संघर्ष कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप विलुप्ति हो रही है। तापमान बढ़ोत्तरी से महासागरों का अम्लीकरण होता है। इससे अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में घुल जाती है, जिससे पीएच स्तर में परिवर्तन होता है और समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचता है। धरती का तापमान बढ़ता है तो भोजन एवं पानी की कमी हो जाती है। सच तो यह है कि सूखे और अनियमित मौसम से फसल की पैदावार कम हो जाती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो जाता है।वायु प्रदूषण और अत्यधिक गर्मी श्वसन संबंधी बीमारियों और हीटस्ट्रोक में योगदान देती है। संक्षेप में कहें तो इससे स्वास्थ्य पर संकट बढ़ते हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि हमने समय रहते अपने कार्बन उत्सर्जन(ग्रीन हाउस गैसों) को नियंत्रित नहीं किया और पर्यावरण संरक्षण को उचित प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाले वर्षों में हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

खुशी और खुशहाली

आध्यात्मिक रूप से सर्वाधिक उन्नत होते हुए भी आज भारतवर्ष में ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है जो दुखी हैं, उदास हैं, निराश हैं और अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। दरअसल लोग दो अलग-अलग चीजों को एक-दूसरे से कन्फ्यूज कर रहे हैं। उन्नत तकनीक, परिवहन के साधन और धन-संपत्ति से सुख मिल सकता है, खुशी नहीं। आप आरामदायक सोफे पर बैठे हों तो यह सुख है, लेकिन उस सोफे पर बैठा व्यक्ति भी उदास हो सकता है, हताश हो सकता है, चिंता में हो सकता है, गुस्से में हो सकता है। सुख अलग चीज है और खुशी बिल्कुल अलग। भौतिक जीवन में सफलता आपको सुख दे सकती है, पर यह खुशी भी दे, यह जरूरी नहीं है। कृपया भौतिक जीवन की सफलता को और उससे मिलने वाले सुख को खुशी से कन्फ्यूज मत कीजिए। ये कन्फ्यूजन ही समस्या की जड़ है। हम खुशी को भुलाकर सफलता के पीछे भागते हैं और जब सफलता मिल जाती है तो पता चलता है कि यहां तो खुशी है ही नहीं। समाज में ज्यादातर लोगों के दुखी होने का कारण ही यह है कि हम खुशी को सुख में ढूंढ रहे हैं, गलत जगह ढूंढ रहे हैं। खुशी वहां है ही नहीं तो मिलेगी कैसे? हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पिछले 75 साल से एक शोध चल रहा है। इस रिसर्च का विषय है कि किस तरह का व्यक्ति खुश रहता है। शोध में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के उन पूर्व छात्रों को ट्रैक किया गया जो क्लास में अव्वल रहते थे। इन छात्रों में दो लोग अमेरिका के राष्ट्रपति बने, कई लोग सांइटिस्ट बने, उद्यमी बने और कुछ ऐसे भी थे जो अपराध की दुनिया में जा धंसे और जेल गए। इनमें जो लोग खुश रहे, उनमें सिर्फ दो ही बातें कॉमन थीं कि इन सब लोगों ने अपने रिश्ते बरकरार रखे। सफल रहे या कम सफल हुए, पर रिश्तों पर ध्यान दिया, जिससे जीवन भर उन्हें ऐसे लोगों का साथ मिला जो उनकी खुशी में खुश होते थे। दूसरा कॉमन फैक्टर यह था कि वे हर रोज कोई न कोई ऐसा काम जरूर करते थे जिससे खुशी मिलती हो। किसी दूसरे व्यक्ति की खुशी में शामिल होना, किसी की सहायता कर देना, प्रकृति के सान्निध्य में समय बिताना, बच्चों के साथ रहना, हल्का व्यायाम करना, प्रेरक साहित्य पढना आदि में से कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता था जो उन्हें मोटिवेटिड और खुश रखे। खुश रहना सीखा भी जा सकता है। आप कोई कठिन या नापसंद काम पूरा कर लें तो खुशी होती है। आप अपनी देखभाल करें, मनपसंद भोजन करें, छोटी-बड़ी सफलताओं का जश्न मनाएं तो आपको खुशी मिलती है। ऐसी हर स्थिति में हमारा दिमाग डोपामाइन नाम का एक कैमिकल रिलीज करता है जिसे विज्ञान 'रिवार्ड कैमिकल' कहता है। इसी तरह अगर आप ध्यान करें, हल्की दौड़ लगाएं, तैराकी करें, साइकिल चलाएं, हल्की धूप में बैठें, प्रकृति के सान्निध्य में जाएं, पेड़-पौधों, फूलों के बीच जाएं तो आपका दिमाग सीरोटोनिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है जो आपका मूड सैट कर देता है। अगर आप घरेलू पालतू पशु के साथ खेलें, छोटे बच्चे के साथ खेलें, किसी प्रिय व्यक्ति का हाथ पकड़ें, किसी को गले लगाएं और किसी की सच्ची प्रशंसा करें या शाबाशी दें तो भी आप खुश हो जाते हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग 'लव कैमिकल' औक्सीटोसिन रिलीज करता है। अगर आप कोई व्यायाम करें, हंसें, कोई कामेडी देखें या गहरे रंग की चाकलेट खाएं तो हमारा दिमाग एंडॉरफिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है। यह एक 'पेन किलर' का काम करता है। अकेलापन महसूस होने की स्थिति में या उदासी की हालत में इनमें से कुछ भी करें, यानी सैर करें, व्यायाम करें, तैराकी करें, प्रकृति का आनंद लें, बच्चों के साथ खेलें, किसी से गले मिलें तो आपका मूड बदल जाएगा और आपको खुशी मिलेगी। आइए, अब जीवन के दूसरे पहलू की भी बात करते हैं। खुशी तो जीवन में चाहिए ही। हम सारा जीवन असल में खुशियों के पीछे ही भागते हैं। गलती सिर्फ यह करते हैं कि अक्सर हम सुख को खुशी समझ लेते हैं। लेकिन क्या हमें सुख नहीं चाहिए? क्या हमें अमीर नहीं होना चाहिए? क्या हमें पैसा नहीं कमाना चाहिए? समझने की बात यही है कि खुशी पहली प्राथमिकता है और होनी ही चाहिए, पर खुशी के साथ यदि खुशहाली भी हो तो सोने पर सुहागा हो जाता है। हम अमीर भी हों, हम सुखी भी हों, इसमें कुछ भी बुराई नहीं है। खुशहाली के मामले में हमें थोड़े से आत्मनियंत्रण की आवश्यकता है। खुशहाली या अमीरी किसी नशे की तरह है। पहले तो थोड़े में काम चल जाता है, पर फिर धीरे-धीरे नशे की मिकदार बढ़ती चलती है। पहले हम शराब पीते हैं, फिर शराब हमें पीने लग जाती है। अमीरी की चाहत का भी यही हाल है। पैसा जैसे-जैसे बढ़ता है, वैसे ही लालच भी बढ़ता चलता है।

कुछ अलग

फिर बैतलवा डाल पर

लगा था इस बार शायद ऐसा नहीं होगा। पौन सदी कम नहीं होती। आदमी की जिंदगी हो तो इसमें लगभग खप ही जाती है। देश की हो तो भी उसे उसका रौशन काल नहीं कह सकते। अव्वल तो इनसे मिलने का मौका ही नहीं मिलता। प्रायः वह अपने हवाई मीनार में रहते हैं, और इस सडक़ पर इनके मीनार को देखते हुए कि नहीं इस बार सपनों का शहज़ादा अवश्य अपने घोड़े से उतर आएगा। हमारे गदरे-गुब्बार में हमारे अंग-संग चलेगा। हमारे दर्द को अपने गले से लगाएगा। हम इक्\` चल कर इन टूटी-फूटी सडक़ों या रास्ता भूली पगडंडियों की जगह एक नए जनपथ का निर्माण कर सको। इस पर सबको बराबर-बराबर चलने का हक होगा। इस पौन सदी में हमने हर जनपथ को शार्टकट बना सफलता लेने की पगडंडी में बदलते देखा है। इस पगडंडी का रास्ता कूड़े के उपलों पर नकारने में नहीं, बल्कि उसकी जगह उन पर एक मनभावन कलई करके स्वच्छ भारत सिद्ध कर देने की मुस्कराती घोषणा के साथ होता है। इस चुंधयाई हुई आंखों के साथ देखते हैं कि कल जो डम्प था, हम एक किसी चोर गली के रास्ते सिंहासन में तबदील हो गया। उस पर वे जम गए हैं, आवारा सपनों के उस मसीहा की तरह, जिसने पगडंडी बदलते हुए उनके सपने तो किसी भूल-भलैया में खो दिए और अपने दावों की विजयश्री के साथ अपनी शोभा को हमारी शोभा यात्रा बनाने पर तुला हुआ है। हम उन स्मार्ट शहरों में अपनी बना दी गई इस शोभायात्रा को तलाशते हैं, जो बिन बादल बरसात से उमड़ आए गले-गले पानी में डूबती-उतराती उस जीवन नौका की तलाश करती है जो हमें आदमी, इन्सानियत और पवित्र डुबोती इस जल प्रलय में से निकाल कर किसी सूखी धरती पर खड़ा कर दे। 75 बरस बीत गए, वह सूखी धरती हमें कहीं मिली नहीं। मिले तो बस उसकी प्राप्ति के गुटके। वायदा था कि बीच के मध्यजनों की धांधली और दलाली खत्म हो जाएगी। लेकिन साहिब, नीचे के ये लोग बड़े शक्तिमान हैं। पांच बरस के बाद आपके पास जब ये अपने दोबारा सिंहासन पर बैठने की मंजूरी लेने आते हैं, तो उन्होंने अपने कन्धों पर हमारी पालकी उठाई होती है। आपके खाली खाते आप से नए युग का वायदा करते रहते हैं, लेकिन सौदों में भुगतान में, बंटवारे में इनकी दलाली का वर्चस्व बना रहता है। नारा समतावादी समाज का लगता है, और नतीजा गरीब के और गरीब और अमीर के और अमीर का आता है। भई, सदियों का अंधेरा है, एक दिन में तो नहीं छंट जाएगा। जो राजा है वह राजा ही रहते हैं, और जो रंक हैं, उन्हें अब किसी नई घोषणा से बहलाना है। इसका फैसला तो राजा ही करेगा। इस फैसले पर जनता की तालियों के ज़ामिन यह मध्यजन ही बनते हैं। भला इन्हें अमान्य कैसे किया जा सकता है? आओ, क्यों न इन्हें इस बनते-संवरते समाज का ज़रूरी हिस्सा घोषित करके कानूनी मान्यता दे दी जाए। आजकल ज़माना सोशल मीडिया से व्हाटसअप से, फेसबुक से, ट्विटर और अब ग्रोक आदि से जयघोष उठवाने का है। इसमें भी ये सिद्धहस्त कहां पीछे रहते हैं? पहले अखबार-अखबार घूम कर अपने चित्र और ख़बरें लगवाते थे, अब इंटरनैट पर आपके हक में एक आभासी दुनिया खड़ी कर देते हैं। एआई का सहारा लिया जा रहा है। यह आभासी दुनिया आपको देश भक्ति, राष्ट्रवाद और महिमामंडित इतिहास के झूठे या अधपके सच परोसती है, और आपको लगता है, अरे असल सच तो यही है। अपने सवालों के जवाब न पाकर बैतलवा फिर उसी डाल पर जाकर बैठ जाता है, और आर्थिक विकास की इस दौड़ में ठूंठ रह गए उस मुक्तिवृक्ष में तलाश करता है, कि क्या यह वही देश है जिसकी डाल-डाल पर सोने की चिड़िया बसेरा करती थी।

देश दुनीया से

राष्ट्रहित में नहीं वायुसेना की घटती ताकत

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह वायुसेना में लड़ाकू विमानों के बेड़े की घटती ताकत को लेकर अपनी चिंताएं जगजाहिर कर चुके हैं। जिस प्रकार से वायुसेना के लड़ाकू विमान लगातार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, लड़ाकू विमानों की आपूर्ति से जुड़ी दिक्कतें बढ़ रही हैं और इंजनों के लिए जनरल इलेक्ट्रिक पर निर्भरता कायम है, उसने भी भारतीय वायु सेना की ताकत और युद्ध के लिए तैयार रहने की कोशिशों को प्रभावित किया है। गत दिनों चाणक्य डायलॉग्स सम्मेलन में बोलते हुए वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35 से 40 सैन्य विमानों का निर्माण किए जाने की जरूरत है और यह क्षमता रातोंरात नहीं बनाई जा सकती है। 'भारत 2047 : युद्ध में आत्मनिर्भर' नामक विषय पर उन्होंने जोर देकर कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव भी नहीं है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार भारतीय वायुसेना 2047 तक अपनी सभी जरूरतों के सामान का उत्पादन भारत में ही करने की दिशा में काम कर रही है। फिलहाल भारतीय वायुसेना के पास 600 के करीब लड़ाकू विमान हैं, जिनमें 248 सुखोई 30 एमकेआई, 45 मिराज 2000, 130 जगुआर, 40 मिग 21 बाइसन, 32 तेजस एलसीए एमके 1, 65 मिग 29 और 36 राफेल शामिल हैं। लेकिन यदि चीन से तुलना की बात की जाए तो हमारे पास उसके विमानों के करीब आधी संख्या ही है। भारतीय वायुसेना को अभी तक 40 स्वदेशी तेजस विमान भी नहीं मिले हैं जबकि चीन ने छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान भी तैयार कर लिया है। 2008 में चीन का रक्षा बजट 78.78 अरब डॉलर का था, जो 2025 में भारत का रक्षा बजट है। यानी रक्षा बजट के मामले में हम आज भी चीन से 17 साल पीछे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक दशक तक रक्षा बजट को तुरंत जीडीपी के 4 प्रतिशत के बराबर किए जाने की जरूरत है। इतना ही नहीं, भारतीय वायुसेना के पास हर हाल में देश की सुरक्षा के लिए 42 स्क्वाड्रन का होना जरूरी है। लेकिन इस वक्त भारत के पास करीब 32 स्क्वाड्रन हैं और यदि स्क्वाड्रनों की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो साल 2035 तक भारत के पास सिर्फ 25 से 27 स्क्वाड्रन ही बचेंगे। इसलिए समझा जा सकता है कि आने वाले वर्षों में हालात किस कदर भयावह हो सकते हैं। एक स्क्वाड्रन में करीब 18 लड़ाकू विमान होते हैं। इस साल के अंत तक आखिरी मिग-21 को भी सर्विस से बाहर कर दिया जाएगा। एचएएल को भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमआई1ए लड़ाकू विमान बनाने हैं और सभी 83 तेजस एमआई1ए की डिलीवरी साल 2029 तक देनी है, लेकिन इसमें भी देरी हो रही है। भारतीय वायु सेना की आधिकारिक स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'नभः स्पृशं दीप्तम्' है। इसका मतलब है 'गौरव के साथ आकाश को छूना'। यह वाक्य भगवद्गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है। पिछले 93 वर्षों में भारतीय वायुसेना ने उपलब्धियों से परिपूर्ण एक गौरवशाली सफर तय किया है। भारतीय वायुसेना आसमान में भारत की ताकत को और बढ़ाना चाहती है और इसके लिए भारतीय वायुसेना को 114 नए लड़ाकू विमान चाहिए। मल्टी रोल फाइटर जेट प्रोग्राम के तहत ये विमान खरीदे जाने हैं। वायुसेना चाहती है कि 5 साल के भीतर पहला लड़ाकू विमान भारत में आ जाए। खरीद प्रक्रिया में 7 विमान दौड़ में शामिल हैं। ज्यादातर विमानों का पहले ही परीक्षण हो चुका है, इसलिए उम्मीद है कि लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया तेज होगी। यह प्रसन्नता की बात है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सैन्य ताकत बन चुका है। ग्लोबल फायरपावर की तरफ से वर्ष 2025 की सैन्य ताकतों की रैंकिंग में पहले स्थान पर अमरीका है। दूसरे स्थान पर रूस का नंबर आता है, जबकि चीन तीसरे स्थान पर है। पांचवें स्थान पर दक्षिण कोरिया है। अपनी सैन्य व एटमी ताकत का धौंस देने वाला पाकिस्तान इस बार तीन अंक खिसक कर 12वें स्थान पर पहुंच चुका है। ग्लोबल फायर पावर नामक संस्था रैंकिंग के लिए 60 से ज्यादा मानकों पर ध्यान देती है। इसमें सेनाओं की संख्या, हथियारों की ताकत,

लॉजिस्टिक्स लाने-ले जाने की क्षमता, भौगोलिक स्थिति शामिल हैं। फायरपावर इंडेक्स (जीएफपी) में कम स्कोर का मतलब देश की ज्यादा सैन्य ताकत होती है। अमरीका ने सबसे कम पावर इंडेक्स (0.744) हासिल कर टॉप किया है। भारतीय वायुसेना ने जिन युद्धों में भाग लिया है, उनमें द्वितीय विश्वयुद्ध, 1947 का भारत-पाक युद्ध, कांगो संकट, गोवा मुक्ति संग्राम, भारत-चीन युद्ध, 1965 का भारत-पाक युद्ध, बांग्लादेश मुक्ति युद्ध, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन पुमलाई, ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, कारगिल युद्ध आदि प्रमुख रहे हैं। यह माना जाता है कि मशीन के पीछे खड़ा आदमी ही महत्वपूर्ण है, लिहाजा आज तक लड़ी गईं सभी मुख्य लड़ाइयों में भले ही वायुसेना के पास उन्नत श्रेणी के युद्धक विमान न रहे हों, लेकिन उनको संचालित करने वाले भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलेट अपने हौसलों से हर बार नया इतिहास रचते रहे हैं। भारत सरकार को कुछ अन्य सुरक्षा उपायों पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिसमें हमारी हवाई रक्षा कवच (एयर डिफेंस) के साथ-साथ हमें ड्रोन और मिसाइल के एक एकीकृत बल के निर्माण को मजबूत बनाना होगा। उम्मीद है कि भारत सरकार चौतरफा चुनौतियों से निपटने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए भारतीय वायुसेना की ऑपरेशनल तैयारियों को दुरुस्त बनाने के लिए आवश्यक निर्णयों को अमलीजामा पहनाने का कार्य यथाशीघ्र पूरा करेगी।

आप का नजरीया

वक्फ का 'नया वक्त'

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश कर दिया गया। उसका पारित होना लगभग तय है। विपक्ष में जो दल मान रहे थे कि तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, एलजेपी (रामविलास) और रालोद सरीखे धर्मनिरपेक्ष दल भाजपा के वक्फवादी एजेंडे को रोक सकते हैं, वे अब निराश होंगे, क्योंकि इन दलों ने वक्फ बिल पर भाजपा को समर्थन देने की घोषणाएं की हैं। चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान आदि ने जो संशोधन दिए थे, मोदी सरकार ने उन्हें बिल में समाहित कर लिया है। इस बिल के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने बहुमत का शक्ति-परीक्षण भी साबित कर दिया है। साथ में 'धर्मनिरपेक्षता' की परिभाषा भी बदल दी है। चूंकि भाजपा के इन सहयोगी दलों का अच्छा-खासा मुस्लिम जनाधार है, फिर भी उन्होंने वक्फ बिल पर मोदी सरकार को समर्थन दिया है। मुसलमानों का समर्थन लेना और उन्हें समर्थन देना ही 'धर्मनिरपेक्षता' नहीं है। अब भाजपा-समर्थक भी धर्मनिरपेक्ष हैं। वक्फ बिल के संदर्भ में यह गौरतलब तथ्य है कि 2013 में कांग्रेस और भाजपा ने संसद में कुछ संशोधन पारित कराए थे। किसी भी दल ने वक्फ कानून में उन संशोधनों का विरोध नहीं किया था। तब भाजपा की ओर से शाहनवाज हुसैन और मुख्तार अब्बास नकवी सरीखे सांसदों ने संशोधनों का सत्यापन भी किया था। 2019 तक वक्फ की तमाम संपत्तियों का जब डिजिटलीकरण किया गया, तब भी भाजपा का सहयोग रहा। 2013 में केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और ऑनलाइन रिकॉर्ड बनाने के दौरान मोदी सरकार थी। वक्फ कानून 1954 में बना, लेकिन 1955 और 1995 में भी संशोधन पारित किए गए। हर बार केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। अब मौजू सवाल यह है कि वक्फ कानून का पुराना वक्त खत्म क्यों माना जा रहा है और नए वक्त की जरूरत क्या और क्यों है? करीब 9.4 लाख एकड़ जमीन और 8.72 लाख संपत्तियों के मालिक वक्फ बोर्ड की कानूनन जवाबदेही और पारदर्शिता अनिवार्य है। इतनी व्यापक मिल्कीयत बेहिसाबी नहीं रखी जा सकती। यही संवैधानिक स्थिति है। ओवैसी सरीखे मुस्लिम सांसद और असंख्य मौलाना, मुफ्ती प्रस्तावित बिल की जो व्याख्या करते आ रहे हैं, वह कमोबेश भारत में संभव नहीं है। किसी भी समुदाय के मौलिक अधिकारों पर कोई प्रहार नहीं किया जा सकता। यही भ्रम 'नागरिकता संशोधन बिल' के दौरान भी फैलाया गया था। क्या किसी एक भी भारतीय मुसलमान की नागरिकता छिनी या उन्हें हिरासत-केंद्र में कैद किया गया? ओवैसी की जमात इन सवालों पर खामोश रहती है। दरअसल वक्फ बोर्ड किसी भी संदर्भ में निरंकुश नहीं हो सकता। किसी भी संपत्ति पर वह उंगली रख दे, वह वक्फ बोर्ड की नहीं हो सकती। संशोधन बिल में 'धर्मपरिवर्तन' सरीखे प्रावधान भी जोड़े गए हैं। यदि किसी को मुसलमान बने अथवा इस्लाम धर्म कबूल किए 5 साल नहीं हुए हैं, तो वह अपनी संपत्ति 'वक्फ', यानी अल्लाह के नाम दान, नहीं कर सकेगा। इससे 'धर्मपरिवर्तन' की स्थिति भी साबित हो सकेगी। यह भी कानूनी मामला है। किसी शख्स के नाम पंजीकृत जमीन को ही वक्फ किया जा सकता है। सबसे अहम बदलाव यह होगा कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनके खातों का ऑडिट भी होगा। यह केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकार-क्षेत्र में होगा।

मोदी सरकार दे रही है खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक कदम उठा रही है। राज्यसभा में उनके सवाल के जवाब में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के समग्र विकास को बढ़ावा देने और सुनिश्चित करने के लिए, जिसमें पादप आधारित खाद्य उत्पाद भी शामिल हैं, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं अर्थात प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) योजना, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) और केंद्र प्रायोजित - प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के माध्यम से देश भर में संबंधित बुनियादी ढांचे की स्थापना/विस्तार को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य या स्वास्थ्य अनुपूरक, न्यूट्रास्युटिकल्स, विशेष आहार विषयक उपयोग के लिए खाद्य, चिकित्सा प्रयोजनों के लिए खाद्य, कृतकारी खाद्य और नूतन खाद्य) विनियमावली, 2016 को भी अधिसूचित किया। बड़ी संख्या में उत्पाद, जिन्हें अन्यथा खाद्य प्राधिकरण से विशिष्ट अनुमोदन की आवश्यकता होती, वे भी इसके अंतर्गत आ गए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय निवेश को प्रोत्साहित करने और मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए सेमिनारों, कार्यशालाओं, मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन, सह-प्रायोजन और भागीदारी कर रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्लांट बेस्ड फूड शो, 2025 के आयोजन के लिए प्लांट बेस्ड फूड्स इंडस्ट्री एसोसिएशन (पीबीएफ़आईए) को लोगो सहायता और वित्तीय सहायता प्रदान की। पीबीएफ़आईए द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इंडिया प्लांट बेस्ड फूड्स शो 2025 ने उद्योग सहयोग, सरकारी सहायता और वैश्विक जुड़ाव को बढ़ावा देकर प्लांट-आधारित खाद्य स्टार्टअप के लिए बाजार तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) का आयोजन कर रहा है, जो पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थों सहित खाद्य प्रसंस्करण में निवेश के अवसरों और प्रगति को उजागर करने के लिए एक प्रमुख मंच प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि 25-28 सितंबर, 2025 को डब्ल्यूएफआई, 2025, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनके एकीकरण की सुविधा प्रदान करके स्टार्टअप सहित पौधे आधारित खाद्य उद्योग के विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा। 19-22 सितंबर 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 ने अपने प्रमुख फोकस स्तंभों: *न्यूनतम अपशिष्ट, अधिकतम मूल्य* और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में टिकाऊ पैकेजिंग के माध्यम से सतत विकास और भारत के नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य पर जोर दिया। इन स्तंभों का उद्देश्य पूरे क्षेत्र में संसाधन दक्षता, अपशिष्ट में कमी और पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग समाधानों को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, मंत्रालय भारत के नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की योजनाओं में परियोजना के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जैसे सौर, बायो-मास, पवन आदि का समर्थन करता है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुसार, पौधे आधारित खाद्य उत्पादों सहित विभिन्न प्रकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए संभावित उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में पौधे आधारित खाद्य उत्पादों का विनिर्माण करने वाले उद्यमियों को भी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की योजनाओं के तहत प्रोत्साहित किया जाएगा।

वक्फ संशोधन बिल : मुस्लिम समुदाय की महिलाओं ने कहा, धन्यवाद मोदी जी

झांसी (हिंस)। वक्फ विधेयक संशोधन बिल लोक सभा में पास होने पर गुरूवार को मुस्लिम समुदाय के पुरुषों व महिलाओं ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को इसके लिए धन्यवाद दिया। खुशी जाहिर करते हुए मिठाई वितरित की और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। महिलाओं ने अपनी भावनाएं पट्टिकाओं पर प्रदर्शित करते हुए लिखा वक्फ बिल संशोधन के लिए धन्यवाद मोदी जी। भारतीय जनता पार्टी के कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के नेतृत्व में कई भाजपा नेताओं व मुस्लिम समुदाय के पुरुष एवं महिलाओं ने खुशी व्यक्त की। केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मिठाइयां बांटी गई। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल पास होने से आर्थिक संकट से जूझ रहे तथा अन्य मुस्लिमों को भी इसका लाभ और सम्मान मिलेगा। इस बिल के पास होने से जो अपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं, सिर्फ उन्हीं को खराब लग रहा है। वक्फ विधेयक पास होने से मुस्लिम समुदाय के हित में कार्य होगा, उनका विकास होगा। इस दौरान भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश मिश्रा, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, व्यापारी नेता मनमोहन, पुनीत अग्रवाल सहित कई पार्टी नेता और मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहें।

पंजाब में 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को तीर्थ यात्रा करवाएगी सरकार

योजना के लिए 100 करोड़ का बजट रखा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने राज्य में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को दोबारा शुरू करने का ऐलान किया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई। इसके तहत 50 से अधिक उम्र के लोग फ्री धार्मिक स्थानों की यात्रा कर पांएगे। इसका सारा खर्च सरकार उठाएगी। इसके लिए 100 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वित्त मंत्री हरपाल चीमा, उद्योग मंत्री तरूणप्रीत सिंह सोंध ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के अंतर्गत 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों को धार्मिक स्थलों की यात्रा करवाई जाएगी। सरकार ने इस योजना के लिए 100 करोड़ रुपए का कोष आवंटित किया है। योजना के लिए पंजीकरण अप्रैल माह के अंत में प्रारंभ होगा और यात्राएं मई माह से शुरू होंगी। चीमा ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस की स्थापना की। इन स्कूल ऑफ एमिनेंस में 80 स्कूलों का विभाग ने चयन किया है जिनमें स्कूल मेंटरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की गई है, जिसके तहत पंजाब में तैनात भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी एक-एक स्कूल को पांच के लिए गोद लेंगे। वे स्कूलों में जाकर बच्चों से रूबरू होंगे। इससे उनका स्कूलों के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित होगा। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। इससे उनमें सिविल सेवा में जाने और देश सेवा की भावना विकसित होगी।

सूचना आयोग के फैसलों पर 1900 अधिकारियों ने नहीं भरा तीन करोड़ जुर्माना

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा राज्य सूचना आयोग ने स्थापना से लेकर अब तक प्रदेश भर के चार हजार से अधिक मामलों की सुनवाई करते हुए राज्य लोक सूचना अधिकारियों पर पांच करोड़ 90 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। यह अहम जानकारी भी आरटीआई के माध्यम से ही मिली है। हरियाणा में पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2005 में सूचना आयोग की स्थापना की गई थी। तब से लेकर 31 जनवरी तक आयोग द्वारा कुल 4043 मामलों में राज्य लोक सूचना अधिकारियों पर 5.90 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। इनमें से 1965 मामलों में कुल 3.06 करोड़ रुपए की अदायगी एसपीआईओ ने नहीं की है। हरियाणा सूचना अधिकार मंच के राज्य संयोजक सुभाष के अनुसार पिछले 19 सालों में धारा 20 (1) के तहत 32 हजार 827 मामलों में कारण बताओ नोटिस जारी किए लेकिन जुर्माना केवल 4043 मामलों में लगाया गया। आयोग को इस दौरान 1 लाख से ज्यादा अपीलें और शिकायतें मिलीं। आरटीआई के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2006 में कुल 25, 2007 में 308, 2008 में 575, 2009 में 719, 2010 में 799, 2011 में 957, 2012 में 909, 2013 में 1,457, 2014 में 2,096, 2015 में 2,971, 2016 में 2,468, 2017 में 1,935, 2018 में 2,511, 2019 में 3,223, 2020 में 2,821, 2021 में 1,964, 2022 में 1,797, 2023 में 1,980 तथा 2024 में 3,159 नोटिस जारी किए गए। इस वर्ष 31 जनवरी तक 153 नोटिस जारी किये गए। कई अधिकारी ऐसे हैं जिन पर सालों पहले जुर्माना लगाया गया था लेकिन उन्होंने अभी तक भुगतान नहीं किया। कुछ ने तो जुर्माने के खिलाफ अदालत का दरवाजा भी खटखटाया। इसके अलावा, कई अधिकारियों ने केवल आंशिक रूप से जुर्माना भरा है, बाकी अभी भी बकाया है। हालांकि इनमें सबसे अहम बात यह है कि हरियाणा में सूचना आयोग के दस पदों में छह खाली चल रहे हैं।

सड़क बनाने में हुआ घटिया सामग्री का इस्तेमाल, एसीबी की जांच में खुलासा

गुरुग्राम (हिंस)। यहां की आरडी सिटी क्षेत्र में सीमेंटेड सड़क का निर्माण करने में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। यह खुलासा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टेक्निकल टीम की जांच में हुआ है। घटिया निर्माण सामग्री से बनी सड़क गई जगह से टूट चुकी है, जिससे वाहन चालक परेशानी झेल रहे हैं। गुरुवार को इस मामले में लोगों ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। नगर निगम गुरुग्राम के अधिकार क्षेत्र सेक्टर-52 आरडी सिटी क्षेत्र में गेट नंबर-2 से लेकर गेट नंबर-3 तक सीमेंटेड सड़क का निर्माण किया गया था। निर्माण के कुछ समय बाद ही यह सड़क टूटने लगी। सड़क में गड्ढे हो गए। यहां घटिया निर्माण सामग्री की शिकायत पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टेक्निकल टीम ने संज्ञान लिया। एक अप्रैल को ब्यूरो की ओर से विशेष चेकिंग की गई। ठेकेदार द्वारा सीमेंटेड सड़क के कार्य की पैमाइश करने के साथ सरकार की हिदायतों के अनुसार सेंपल भी लिए गए।

नया वक्फ बिल दो वर्गों के बीच पैदा करेगा तनाव : गहलोत

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि वक्फ को लेकर किसी नए कानून की आवश्यकता नहीं थी पर बहुसंख्यक वर्ग का जरूरी विषयों से ध्यान हटाने एवं अल्पसंख्यक वर्ग में भय पैदा करने तथा दोनों वर्गों के बीच तनाव पैदा करने के लिए यह कानून बनाया गया है। गहलोत ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वक्फ संशोधन बिल का विरोध करते हुए पोस्ट किया कि ऐसा लगता है कि भारत सरकार महंगाई, बेरोजगारी, शेयर मार्केट में चल रही गिरावट, रुपए के अवमूल्यन जैसे जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बार-बार अल्पसंख्यक वर्ग को निशाने पर लेने वाले कानून बनाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के दौरान भी ऐसा देखा गया क्योंकि कानून 2020 में ही बना दिया पर इसके नियम 2024 में बनाए गए थे परन्तु इसका राजनीतिक लाभ बार-बार इस मुद्दे को उछाला गया और पूरे देश में तनाव पैदा किया गया।

भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध हेरोइन एवं ड्रोन बरामद

जैसलमेर (हिंस)। गंगानगर के श्रीकरणपुर सेक्टर में बुधवार रात्रि भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सीमावर्ती क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया। संदिग्ध हेरोइन का वजन 500 ग्राम है। सीमा सुरक्षा बल के जन सम्पर्क अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों की रात्रि गश्त की वजह से ड्रग्स तस्कर सीमावर्ती क्षेत्र में पाकिस्तान से भेजी गयी ड्रग्स खेप को प्राप्त करने के लिए निश्चित स्थान पर नहीं पहुंच पाये। इसलिए एक पैकेट में 500 ग्राम संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। इससे पहले भी पाकिस्तान ड्रोन से भारतीय सीमा में हेरोइन की तस्करी करने की कोशिश करता रहा है, जिसे सीमा सुरक्षा बल ने निरंतर नाकाम किया है। इससे पहले 21 मार्च 2025 को भी सीमा सुरक्षा बल ने सतराना, बीकानेर से लगी भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के आईजी एमएल गर्ग ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल अंतर्राष्ट्रीय सीमा एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रग्स तस्करी को लेकर सजग एवं सतर्क है तथा सीमावर्ती क्षेत्र में रात्रि गश्त एवं विशेष प्रकार के अभियान चलाए जा रहे है। सीमा सुरक्षा बल ड्रग तस्करी को पूर्णतया समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हुई श्याम भक्ति सेवा संस्थान की पहल

जोधपुर (हिंस)। खाटू वाले श्याम बाबा के प्रति लगातार बढ़ती जा रही श्रद्धा के चलते जोधपुर के श्याम भक्ति और सामाजिक सरोकारों को समर्पित श्याम भक्ति सेवा संस्थान परिवार ने संकल्प लेकर 100 मंदिरों में 100 श्याम बाबा की मूर्तियां नि:शुल्क रूप से एक समारोह में वितरित करने का जो श्याम सेवा का कार्य किया, उसे वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल कर लिया गया है। 100 मंदिरों में श्याम बाबा की 100 मूर्तियां लगाने को वेब वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने ऐतिहासिक उपलब्धि माना है, और नया मानक स्थापित करने पर प्रमाण पत्र भी जारी किया है। सीमा सुरक्षा बल के राजस्थान फ्रंटियर आईजी एमएल गर्ग ने संस्थान अध्यक्ष मोनिका प्रजापत को प्रमाण पत्र सौंप कर शुभकामनाएं देते हुए श्याम भक्तों का मान बढ़ाया है,जिससे श्याम भक्तों में खुशी की लहर है। श्याम भक्ति सेवा संस्थान की अध्यक्ष मोनिका प्रजापत ने बताया कि, श्याम भक्ति सेवा संस्थान का घर-घर श्याम हर घर श्याम अभियान साकार होने के साथ लाखों श्रद्धालुओं तक श्याम बाबा पहुंच चुके हैं, तथा मंदिरों के साथ साथ घर-घर श्याम बाबा की आराधना होने लगी है।

पिछली सरकारें प्रयागराज की पहचान मिटाने में लगी थीं : योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ की तैयारी के दौरान वक्फ बोर्ड ने दावा किया था कि कुंभ की भूमि उनकी है, यह माफिया बोर्ड बन गया था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी मनमानी पर लगाम लगा दी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें प्रयागराज की पहचान मिटाने में लगी थीं लेकिन महाकुंभ के भव्य आयोजन के बाद अब प्रयागराज की अपनी वैश्विक पहचान बना चुकी है। श्रृंगवेरपुर में भगवान निषाद राज गुहा के जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि निषाद राज पार्क भगवान राम व निषाद राज की मित्रता का भव्य स्मारक है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में 579 करोड़ रुपए की 181 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने श्रृंगवेरपुर को आध्यात्मिक और पर्यटन केंद्र बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि महर्षि श्रृंगी और माता शांता के मंदिर का जीर्णोद्धार, संस्कृत विद्यालय और विद्युत शोधगृह भी बनाया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ 2025 की सफलता प्रयागराज की नई पहचान का आधार बनी है। महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। अब प्रयागराज की अपनी वैश्विक पहचान बना चुकी है। प्रयागराज का अर्थ है महामिलन स्थल। यहां गंगा-यमुना-सरस्वती का मिलन है, तो भगवान राम और निषाद राज का मिलन भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ की तैयारियों के दौरान वक्फ बोर्ड ने दावा किया था कि कुंभ की भूमि उसकी है, यह माफिया बोर्ड बन गया था। लेकिन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी मनमानी पर लगाम लगाई। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें प्रयागराज की पहचान मिटाने और माफियाओं को बढ़ावा देने में लगी थीं। हमने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर माफियाओं को विदा किया। श्रृंगवेरपुर और प्रयागराज की पौराणिक भूमि पर कब्जे की कोशिशें नाकाम की गईं। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद, नरेंद्र कुमार कश्यप, राकेश निषाद, पीयूष रंजन निषाद, दीपक पटेल, विधायक गुरू प्रसाद, विधायक पूजा पाल, सिद्धार्थनाथ सिंह, डॉ. केपी श्रीवास्तव, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह आदि उपस्थित थे।

इमरान मसूद का स्वयं को भगवान श्रीराम का वंशज बताना हास्यास्पद : विकास त्यागी

सहारनपुर (हिंस)। जिले में बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने सांसद इमरान मसूद के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने मसूद के स्वयं को भगवान श्रीराम का वंशज बताते हुए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट में शामिल किए जाने की मांग करने वाले बयान को हास्यास्पद करार दिया है। विकास त्यागी ने कहा कि यदि इमरान मसूद वास्तव में स्वयं को भगवान राम का वंशज मानते हैं, तो उन्हें ये बताना चाहिए कि उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कितनी बार कार सेवा की और कितनी बार उस आंदोलन में भाग लिया। अब जब भगवान श्रीराम का मंदिर बन चुका है तो इमरान मसूद ट्रस्ट में शामिल किए जाने की मांग कर रहे हैं, जो पूरी तरह से गलत है। मसूद केवल हिंदू वोट पाने के लिए इस तरह की *नौटंकी* बहुत सोच समझकर कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर बोलते हुए विकास त्यागी ने कहा कि ये बोर्ड भूमाफियाओं का अड्डा बन गया था, जिसे 70 वर्ष पहले ही समाप्त कर देना चाहिए था। वक्फ बोर्ड ने लाखों बीघा जमीन पर कब्जा कर रखा है, जिसमें से अधिकांश हिंदुओं की हैं। अब मोदी सरकार ने इसमें संशोधन कर इसका अंतिम संस्कार कर दिया है जो बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। अब सरकार को अवैध रूप से कब्जाई जमीनों को सरकारी नियंत्रण में ले लेना चाहिए और बंग्लादेश व पाकिस्तान के प्रताड़ित हिंदुओं को लाकर इन जमीनों पर बसाना चाहिए।

लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का पारित होने पर राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट ने जताई खुशी

अररिया (हिंस)। लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का बहुमत से पारित होने पर राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट ने गुरुवार को खुशी जाहिर की। फ्रंट के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने से न सिर्फ भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सुनिश्चित करेगा बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही व मुस्लिम समाज को न्याय अधिकार और सशक्तीकरण का वास्तविक लाभ को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रदेश अध्यक्ष कुमार ने कहा कि धारा 370, सीएए , राम मंदिर हर मुद्दे पर कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के नेताओं ने अल्पसंख्यकों को डराने की कोशिश की, लेकिन आज तक कुछ भी नहीं हुआ। बल्कि मोदी सरकार में देश के किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, कोई आंच तक नही आयी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वक्फ बोर्ड धार्मिक संस्था नही, बल्कि एक ट्रस्ट है। जिसका कार्य गरीब,पसमांदा मुस्लिम समाज के कल्याण में सही दिशा में कार्य करने तक सीमित है। लेकिन कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन वक्फ को धार्मिक संस्था बताकर मुस्लिम समाज को भड़काकर वोट के लिए वक्फ की लूट में उसका समर्थन कर रहा है । उन्होंने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार के इस अभूतपूर्व निर्णय को संसाधनों के सदुपयोग करने और सभी वर्गों के हितों की रक्षा में मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया मे सबसे ज्यादा वक्फ प्रोपर्टी भारत मे है फिर भी हमारे देश के मुसलमान गरीब हैं। कांग्रेस 60 साल तक सत्ता में रही, लेकिन सुधार नही किया और अब इसे लेकर विपक्ष भ्रम फैलाने का काम कर रहा था। उन्होंने देश के विकास और सुशासन की दिशा में इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मोदी सरकार को आभार प्रेषित किया है।

डूबते सूर्य को छठ व्रतियों ने दिया पहला अर्घ्य

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। फारबिसगंज शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को विभिन्न घाटों पर लोक आस्था और सूर्य उपासना के पर्व चैती छठ के तीसरे दिन महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। शुक्रवार को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चैती छठ संपन्न हो जाएगा। अररिया जिला मुख्यालय में परमान नदी सहित नहर किनारे डूबते हुए सूर्यको अर्घ्य दिया। फारबिसगंज शहर के सुल्तान पोखर, कोठी हाट एवं अलख निरंजन आदि घाटों पर भक्ति में सराबोर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। कुछ भक्त पैदल तो कुछ वाहन से अपने अपने पसंदीदा घाटों की ओर बढ़ते दिखे। इस दौरान छठ मैया के मनुहार में बज रहे गीत ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। साथ ही कई लोगों ने अपने अपने घरों में गड्ढानुमा तालाब बनाकर महिलाओं ने अर्घ्य दिया। दोपहर बाद से ही महिलाएं पूजा की तैयारी में जुट गई थी। शुक्रवार सुबह को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। व्रति अपने-अपने घरों के पास ही अर्घ्य देकर सूर्य भगवान से सुख समृद्धि और शांति की कामना की है।

भारत के कृषि निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का कम होगा असर : अर्थशास्त्री

नई दिल्ली

कृषि अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत को अमेरिका के नए शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनके अनुसार भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है।

भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है

उन्होंने कहा कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ सापेक्ष शुल्क वृद्धि को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि अमेरिकी शुल्क का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री खाद्य और चावल के निर्यात पर होगा, लेकिन यह भारत के लिए कुछ मुश्किलें भी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भारत को उच्च शुल्कों के साथ भी वियतनाम और थाइलैंड के मुकाबले बेहतर स्थिति में रहने का मौका है। चीन पर 34 प्रतिशत और अन्य प्रतिस्पर्धियों पर 30 - 46 प्रतिशत तक के शुल्क हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों को यह अंतर दर्जनों लाभ मिल रहा है। यहां तक कि सुरमा के निर्यात के मामले में भी भारत के तुलनात्मक शुल्क लाभ भारत को अच्छे राजनीतिक इकाई में रखता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत उच्च शुल्क वाले प्रतिस्पर्धियों द्वारा खाली किए गए स्थानों में बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने के लिए, बेहतर नीतियों और अर्थव्यवस्था के साथ कृषि क्षेत्र में नए उद्यमों की आवश्यकता है। भारत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्तरदायित्वपूर्ण नीतियों को अमल में लाना होगा।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा, मैक्सिको में संयंत्र लगाने वाले भारतीय विनिर्माताओं पर टैरिफ का खास असर नहीं

नई दिल्ली। भारतीय मोटर वाहन घटक विनिर्माता कंपनियां जिनकी विनिर्माण सुविधाएं कनाडा और मैक्सिको में हैं, उन पर अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी का कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह अमेरिका के व्यापक आदेश में पुष्टि के बाद आया है कि कनाडा और मैक्सिको को अतिरिक्त शुल्कों से छूट दी गई है। इससे माना जा रहा है कि भारतीय उत्पादकों के लिए यह फैसला नकारात्मक प्रभाव न डालेगा। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड ने पहले ही अमेरिका में अपने उत्पादों के लिए यूएसएमसीए के तहत आकलन किया है जो इस निर्णय के माध्यम से पुष्टि प्राप्त किया गया। इसी संदर्भ में कम्पनी ने अपने शेयर बाजार सूचना में बताया कि अमेरिका में उनके विभिन्न ग्राहकों को आपूर्ति किए जाने वाले उत्पादों में यूएसएमसीए या अमेरिका में निर्मित उत्पाद शामिल हैं। इस तरह से भारतीय मोटर वाहन उद्योग को नए शुल्कों का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा जिससे उनके स्थिति आराम से बनी रहेगी।

मारुति सुजुकी की गाड़ियों के 62,000 तक बढे भाव

मुंबई। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की कि वह 8 अप्रैल से अपनी विभिन्न कारों की कीमतों में 2,500 से 62,000 रुपए तक बढ़ाएगी। कंपनी ने बताया कि यह बढ़ोतरी बढ़ती इनपुट लागत, संचालन खर्च, नियामक बदलाव और फीचर्स के अपग्रेड के कारण की जा रही है। हालांकि, कंपनी लागत को कम करने और ग्राहकों पर कम असर डालने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन बढ़ती लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालना आवश्यक हो गया है। इन वाहनों के बढ़ सकते हैं भाव- कॉम्पैक्ट एसयूवी फ्रोंक्स की कीमत में 2,500 की बढ़ोतरी, डिजायर टूर एस की कीमत 3,000 बढ़ेगी। एमपीवी एक्सएल6 और एर्टिगा की कीमत 12,500 बढ़ेगी। वेगन आर की कीमत 14,000, ईको वैन की कीमत में 22,500 का इजाफा और एसयूवी ग्रेंडविटारा की कीमत 62,000 तक बढ़ेगी।

भारत में 730एमएएच बैटरी वाले दो स्मार्टफोन होंगे लॉन्च

नई दिल्ली। पहली बार भारत में 730एमएएच बैटरी वाले दो स्मार्टफोन लॉन्च किए जाएंगे, जिससे यूजर्स को जबरदस्त बैटरी बैकअप मिलेगा। सैमसंग का गैलेक्सी एस25 एग्ज इस साल का बहुप्रतीक्षित फ्लैगशिप फोन माना जा रहा है। अप्रैल 2025 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में कई नए डिवाइस दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इस महीने सैमसंग, मोटोरोला, वीवो,आईक्यू, पोको और रियलमी जैसे ब्रांड्स अपने नए स्मार्टफोन पेश करने जा रहे हैं। इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर, 2के डिस्प्ले, 200एमपी कैमरा और टाइटेनियम फ्रेम मिलेगा। वहीं, मोटोरोला एग्ज 60 फुजन मीडियाटेक डायमेंसिटी 7400 प्रोसेसर, 4500नीटस ब्राइटनेस वाली कर्व्ड ओलेड डिस्प्ले और 50एमपी ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ आएगा। वीवो टी 4 5जी और आईक्यू झेड10 स्मार्टफोन अपनी 7300एमएएच बैटरी और 90वॉट फास्ट चार्जिंग के चलते सुर्खियों में हैं। वीवो टी4 5जी में स्नैपड्रेगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर, 6.67-इंच अमोलेड डिस्प्ले और 50 एमपी डुअल रियर कैमरा होगा। रियलमी नारजो 80एक्स में डायमेंसिटी 6400 प्रोसेसर, 6000 एमएएच बैटरी और 120एचझेड डिस्प्ले होगी। पोको एफ 7 में 2के अमोलेड डिस्प्ले, 50एमपी कैमरा और 90वॉट चार्जिंग मिलेगी। अगर आप नया स्मार्टफोन लेने की सोच रहे हैं, तो अप्रैल में आने वाले इन डिवाइसेज पर नज़र रख सकते हैं।वहीं,आईक्यू झेड10 में डायमेंसिटी 8400 प्रोसेसर, 6.78-इंच 1.5के ओलेड डिस्प्ले और 50 एमपी कैमरा मिलेगा। कैमरा लवर्स के लिए वीवो वी50ई एक खास फोन साबित हो सकता है, जिसमें 50एमपी सोनी आईएमएक्स882 सेंसर और वेडिंग पोर्टेट जैसे फीचर्स होंगे।

अमेरिका ने की टैरिफ की घोषणा, शेयर बाजार कांपा

राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 34, भारत पर 26, यूरोपीय संघ पर 20, वियतनाम पर 46 और ताइवान पर 32 प्रतिशत दर निर्धारित की

वाशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार अपनी नई व्यापारिक नीति की घोषणा कर दी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में अपने मुक्ति दिवस की घोषणा के अंतर्गत टैरिफ दरें निर्धारित कर दी। कई देशों पर भारी टैरिफ लगाया गया है। इनमें चीन पर सबसे अधिक 34 प्रतिशत भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इस घोषणा के कुछ देरबाद अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

दूरगामी पारस्परिक टैरिफ

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपनी आक्रामक और दूरगामी पारस्परिक टैरिफ नीति पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना सभी देशों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ निर्धारित करेगी। इस योजना में कई देशों पर भारी टैरिफ दरें लगाई गई हैं। इनमें चीन पर 34 प्रतिशत, भारत पर 26 फीसदी, यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत शामिल हैं।

चीन पर सबसे ज्यादा, कनाडा की तीखी प्रतिक्रिया

व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि बीजिंग पर टैरिफ दर चीन के आयात पर मौजूदा 20 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त है। यानी चीन पर वास्तविक टैरिफ दर 54 प्रतिशत है। ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद शेयरों में भारी गिरावट आई। इस पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ओटावा गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ का जवाब देगा। कैबिनेट की बैठक से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम टैरिफ का बलपूर्वक मुकाबला करेंगे।अमेरिकी सीनेट ने हाल ही में एक कानून पारित किया है जो कनाडा पर नए टैरिफ को समाप्त कर देगा।

दक्षिण कोरिया बात करेगा, ऑस्ट्रेलिया तटस्थ

दक्षिण कोरिया के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय के बयान के अनुसार, दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने उन उद्योगों और व्यवसायों के लिए आपातकालीन सहायता उपायों का आदेश दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक टैरिफ से प्रभावित होंगे। हान ने मंत्रालय से अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ के विवरण और प्रभाव का बारीकी से विश्लेषण करने और टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए वाशिंगटन के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करने का आग्रह किया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि ट्रंप का निर्णय किसी मित्र का कार्य नहीं है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पारस्परिक शुल्क लगाने की संभावना से इनकार किया।

180 देश और क्षेत्रों में पड़ेगा असर

ट्रंप की घोषणा के बाद स्टॉक वायदा बाजार में भारी गिरावट आई। डॉउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े वायदा में 1,007 अंक या 2.3 फीसद, एसएंडपी 500 वायदा में 3.4 प्रतिशत और नैस्डैक-100 वायदा में 4.2 फीसद की गिरावट आई। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शेयरों में लंबे समय तक गिरावट रही। नाइकी और एप्पल के शेयरों में करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। आयातित वस्तुओं के बड़े विक्रेताओं के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। फाइव बिलो में 15 प्रतिशत, डॉलर ट्री में 11 प्रतिशत, गैप में 8.5 प्रतिशत की गिरावट आई। टेक शेयरों में कुल मिलाकर जोखिम-रहित मूड में गिरावट आई। इसमें एनवीडिया में 4.5 प्रतिशत और टेस्ला में 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्हाइट हाउस ने यूएस पारस्परिक टैरिफ दरों को रेखांकित किया है। ट्रंप की व्यापक नई व्यापार नीति का 180 से अधिक देशों और क्षेत्रों को सामना करना होगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए टैरिफ चार्ट में कहा गया है कि अन्य देश भी अमेरिकी वस्तुओं पर अपने तरीके से टैरिफ लगाते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में अपनी टैरिफ नीति की घोषणा की।

ट्रंप के टैरिफ के प्रभाव का अध्ययन करेगा भारत : वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ वृद्धि और देश पर इसके प्रभाव का आकलन कर रहा है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा आईआईएम, अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित प्रथम अंतरराष्ट्रीय पेंशन शोध सम्मेलन में कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव की समीक्षा और आकलन करेगा। पंकज चौधरी ने कहा कि ट्रंप के लिए यह अमेरिका पहले है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह भारत पहले है। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्कों के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं।

रूस पर नहीं लगा ट्रंप टैरिफ

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कई देशों पर नए रिसीप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इस लिस्ट में रूस का नाम शामिल नहीं है और इस पर सवाल उठ रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने कहा कि रूस को इसलिए छोड़ा गया क्योंकि वह पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत है।

अमेरिका और रूस के बीच व्यापार कुछ निश्चित देशों से भी अधिक है, जैसे मॉरीशस और ब्रुनेई। इन दोनों देशों को टैरिफ लिस्ट में शामिल किया गया है, जबकि रूस को नहीं। इसका परिणाम क्या होगा, यह विशेषज्ञों की चर्चाओं का विषय बन चुका है। क्या यह टैरिफ क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार को प्रभावित करेगा, या यह एक वाणिज्यिक युद्ध की शुरुआत है, यह सवाल है जिस र अब चर्चाएं हो रही हैं।

आरईए इंडिया के सीईओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को एक बयान में ऑस्ट्रेलिया के आरईए ग्रुप ने कहा कि ध्रुव ने 14 साल तक कारोबार में रहने के बाद आरईए के सीईओ पद से हटने का फैसला किया है। ध्रुव अग्रवाल अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति में सहयोग करेंगे। वे जाने से पहले एक सहज नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में कंपनी की हरसंभव सहायता करेंगे। नए सीईओ की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया चल रही है। आरईए इंडिया के पास रियल एस्टेट प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम का स्वामित्व है। ध्रुव ने 2011 में प्रॉपटाइगर की सह-स्थापना की थी। इससे पहले 2017 में इसके शुरुआती निवेश के बाद 2020 में आरईए ग्रुप ने इसमें नियंत्रण हासिल कर लिया था। उन्होंने हाउसिंग डॉट कॉम के सफल अधिग्रहण का नेतृत्व किया और इस प्लेटफॉर्म के एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाई।

एप्पल हेल्थ प्लस नामक नई सर्विस करेगी लॉन्च

एप्पल कंपनी एप्पल हेल्थ प्लस नामक नई सर्विस लॉन्च कर सकती है। इस सर्विस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से पावर्ड हेल्थ कोचिंग फीचर शामिल होगा। इस इनिशिएटिव को कंपनी ने प्रोजेक्ट मुलबेरी नाम दिया है, जो अभी टेस्टिंग फेज में है। यह नया फीचर एप्पल के डिवाइसेज को सिर्फ गैजेट नहीं, बल्कि एक पर्सनल हेल्थ टूल में बदलने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। एप्पल का एआई हेल्थ कोच यूजर्स को यह बताएगा कि वे अपनी सेहत में कैसे सुधार कर सकते हैं। वर्तमान में, एप्पल डिवाइसेज हार्ट रेट, ब्लड ऑक्सीजन लेवल और कैलोरी बर्न डेटा को ट्रैक करते हैं, लेकिन इस डेटा को गहराई से एनालाइज नहीं किया जाता।

देश के कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

ब्रेंट क्रूड का भाव करीब डेढ़ डॉलर टूटकर 73.22 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित दुनिया के करीब 50 देशों पर टैरिफ लगा दिया है। इसका असर वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर भी देखा गया और क्रूड के भाव में गिरावट आई है। वहीं सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर इसका उल्टा असर दिख रहा और देश के कई शहरों में गुरुवार को तेल के दाम बढ़ गए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। सरकारी तेल कंपनियों के

अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है।

बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब डेढ़ डॉलर टूटकर 73.22 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

ईपीएफओ ने दो प्रमुख सुधारों के साथ दावा निपटान प्रक्रिया को सरल बनाया

ईपीएफओ ने कहा-रद्द चेक और नियोक्ता से बैंक खाते के सत्यापन की जरूरत नहीं

नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति कोष निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी प्रक्रियाओं की दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से दावा निपटान प्रक्रिया में दो अहम बदलाव किए हैं। ईपीएफओ के इस कदम से करीब 8 करोड़ अंशधारकों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में तेजी आने और नियोक्ताओं के लिए कारोबारी सुगमता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। ईपीएफओ के अनुसार अब भविष्य निधि से ऑनलाइन निकासी के इच्छुक आवेदकों को रद्द किए गए चेक की तस्वीर 'अपलोड' करने की आवश्यकता नहीं है और उनके बैंक खातों को नियोक्ताओं द्वारा सत्यापित करने की भी जरूरत नहीं है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के मुताबिक चेक लीफ या सत्यापित बैंक पासबुक की तस्वीर अपलोड करने की जरूरत को हटाने से ईपीएफओ के 7.7 करोड़ से अधिक सदस्यों को लाभ मिलेगा। यूएएन के साथ बैंक खाता विवरण जोड़ने के लिए नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को हटाने से लंबित अनुमोदन वाले करीब 15 लाख सदस्यों को तत्काल लाभ मिलेगा। ईपीएफओ के इन उपायों से दावा निपटान की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार आएगा और दावा खारिज होने से संबंधित

शिकायतों में भी कमी आएगी। चेक लीफ/सत्यापित बैंक पासबुक की छवि अपलोड करने की आवश्यकता हटाना ईपीएफओ ने ऑनलाइन दावे दाखिल करते समय चेक लीफ या सत्यापित बैंक पासबुक की तस्वीर अपलोड करने की जरूरत को समाप्त कर दिया है। 28 मई, 2024 को इसके लॉन्च होने के बाद से इस कदम से 1.7 करोड़ ईपीएफ सदस्यों को लाभ मिल चुका है। सफल पायलट आधार के बाद ईपीएफओ ने अब यह छूट सभी सदस्यों के लिए बढ़ा दी है। इस आवश्यकता को हटाने से ईपीएफओ को करीब 6 करोड़ सदस्यों को तत्काल लाभ मिलेगा, जिससे खराब गुणवत्ता/अपठनीय अपलोड के कारण दावों की अस्वीकृति समाप्त हो जाएगी तथा संबंधित शिकायतें कम होंगी। यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) के साथ बैंक खाता विवरण जोड़ने के लिए नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता हटाना यूएएन के साथ बैंक खातों को जोड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ईपीएफओ ने अब बैंक सत्यापन के बाद नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को हटा दिया है। वर्तमान में प्रत्येक सदस्य को अपने बैंक खाते को यूएएन से जोड़ना जरूरी है, ताकि उनके पीएफ निकासी को ऐसे खाते में सहजता से जमा किया जा सके। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 1.3 करोड़ सदस्यों ने अपने बैंक खातों को जोड़ने के लिए अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं और संबंधित बैंक/एनपीसीआई के साथ उचित मिलान के बाद अनुरोधों को नियोक्ता द्वारा डीएससी/ई-साइन के माध्यम से अनुमोदित किया जाना है।

लिवरपूल ने एवर्टन को हराया, प्रीमियर लीग में 12 अंकों की बढ़त बरकरार

लंदन

डियोगो जोटा के 57वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत लिवरपूल ने बुधवार को मर्सीसाइड डर्बी में एवर्टन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी 12 अंकों की बढ़त बरकरार रखी।

लुइस डियाज़ के बैक-हील पास पर जोटा के गोल ने अरने स्लॉट की टीम को जीत दिलाई और अब टीम को खिताब पक्का करने के लिए अगले आठ मुकाबलों में सिर्फ 13 अंकों की जरूरत है।

दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी ने घर में संघर्षरत लीसेस्टर सिटी के खिलाफ दमदार शुरुआत की। जैक ग्रीलिश ने मैच के सिर्फ दूसरे मिनट में साविन्हो के असिस्ट पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। ओमर मरमौश ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे यह साबित हुआ कि टीम को एर्लिंग हालांड की गैरमौजूदगी में भी कोई परेशानी नहीं हो रही।

न्यूकैसल यूनाइटेड ने घरेलू मैदान पर ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराकर उसकी लगातार पांचवें अवे मैच जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। न्यूकैसल के लिए अलेक्जेंडर इसाक और सैंड्रो टोनाली ने गोल किए।

मार्कस रैशफोर्ड और मार्को असेंसियो के दूसरे हाफ में किए गए गोलों ने एस्टन विला की यूरोप में वापसी की उम्मीदें मजबूत कर दीं। ब्राइटन के खिलाफ 3-0 की इस जीत में डोनीएल मालेन ने इंजुरी टाइम में गोल कर ब्राइटन की मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो पहले ही एफए कप से बाहर हो चुका है।

इप्सविच टाउन ने बोरनमाउथ को चौंकाते हुए 34वें मिनट में नाथन ब्रॉडहेड और 60वें मिनट में लियाम डेलाप के गोलों से 2-1 से हराया। बोरनमाउथ के लिए इवानिलसन ने 67वें मिनट में एकमात्र गोल किया। साउथैम्प्टन के पॉल ओनूआचू ने 20वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन क्रिस्टल पैलेस के मैथ्यूस फ्रांका ने इंजुरी टाइम में गोल कर मुकाबला 1-1 से ड्रॉ करवा दिया और साउथैम्प्टन की सीजन की तीसरी जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

न्यूज ब्रीफ

फीफा फुटबॉल रैंकिंग: भारत 127वें स्थान पर पहुंचा, बांग्लादेश दो पायदान ऊपर चढ़ा

नई दिल्ली। वैश्विक फुटबॉल नियामक संस्था फीफा की ओर से गुरुवार को जारी नवीनतम पुरुष रैंकिंग में भारत एक स्थान फिसलकर 127वें स्थान पर आ गया है। मार्च 2025 में एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में ब्लू टाइगर्स को बांग्लादेश से ड्रॉ पर रोका गया था। इस परिणाम से बांग्लादेश को दो पायदान ऊपर चढ़कर 183वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। मिस्र की राष्ट्रीय टीम पिछली रैंकिंग में 33वें स्थान पर रहने के बाद विश्व स्तर पर 32वें स्थान पर पहुंच गई। मोरक्को विश्व स्तर पर 12वें स्थान पर और सेनेगल विश्व स्तर पर 18वें स्थान पर है, जबकि अल्जीरिया अफ्रीका में चौथे और विश्व स्तर पर 36वें स्थान पर है और नाइजीरिया अफ्रीका में पांचवें और विश्व स्तर पर 43वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर अर्जेंटीना ने अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन दूसरे स्थान पर पहुंच गया और फ्रांस तीसरे स्थान पर खिसक गया।

इगा स्वियातेक ने बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आगामी बिली जीन किंग कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। 23 वर्षीय स्वियातेक ने कहा कि उन्हें अपने करियर और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय चाहिए, जिसके चलते वह 10-12 अप्रैल को पोलैंड के रादोम शहर में स्विट्जरलैंड और यूक्रेन के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगी। स्वियातेक ने कहा, मुझे पता है कि यह जानकारी प्रशंसकों, विशेष रूप से पोलिश प्रशंसकों, के लिए निराशाजनक हो सकती है, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए सही निर्णय है। उन्होंने आगे कहा,मैं हमेशा गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हूं। मैंने पिछले साल देश के लिए सभी प्रमुख टूर्नामेंट खेले थे। मुझे बीजेकेसी सेमीफाइनल और यूनाइटेड कप फाइनल में टीम की ऐतिहासिक सफलता पर गर्व है। अब मेरे लिए संतुलन बनाए रखने, खुद पर ध्यान देने और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। मैं अपनी टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए शुभकामनाएं देती हूं, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक हाल ही में मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से हार गई थीं। स्वियातेक ने यह मुकाबला अतिरिक्त सुरक्षा के बीच खेला, क्योंकि एक अभ्यास सत्र के दौरान एक दर्शक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था।

एथलीट हर्ष का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन

SAI
SPORTS AUTHORITY OF INDIA

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना कांठ क्षेत्र निवासी एथलीट हर्ष तोमर का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन हो गया है। हर्ष को प्रवेश के लिए दस्तावेजों का सत्यापन व मेडिकल कराने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। 14 वर्षीय हर्ष ने अपने बड़े भाई यश तोमर को देखकर एथलेटिक्स का अभ्यास शुरू किया। लगातार मेहनत और कोच के मार्गदर्शन से वह जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने लगे। 400 व 800 मीटर दौड़ में जिला स्तर पर वह स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। ओपन स्टेट चैम्पियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता। जबकि राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में पदक से चूक गए। अब उन्हें अपने खेल को निखारने और आगे बढ़ने के लिए साई के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिले का मौका मिला है। उनके पिता राजीव तोमर कांठ के रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात हैं। उन्होंने हर्ष को आगे बढ़ाने के लिए उनके कोच गौरव कश्यप को श्रेय दिया। हर्ष का लक्ष्य एथलेटिक्स में राष्ट्र स्तरीय पदक जीतकर सेना में नौकरी पाना है।

इस बार नए प्रारूप में होगी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप, झांसी करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश के झांसी में 4 अप्रैल से

शुरू होगा। इस बार यह टूर्नामेंट उसी नए डिवीजन-आधारित प्रारूप में खेला जाएगा, जैसा कि मार्च में सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दौरान अपनाया गया था।

15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप इस बार पदोन्नति और निर्वासन प्रणाली को भी जोड़ा गया है। प्रतियोगिता में कुल 30 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें तीन डिवीजन - डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में बांटा गया है। यह सभी मैच उत्तर प्रदेश के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम, झांसी में 4 से 15 अप्रैल 2025 तक खेले जाएंगे। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार सुबह 7:00 बजे से शुरू होंगे।

डिवीजन-आधारित प्रतियोगिता का नया प्रारूप

डिवीजन ए में भारत की शीर्ष 12 टीमें शामिल होंगी, जो चैम्पियनशिप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डिवीजन बी में टीमें डिवीजन ए में पदोन्नति के लिए संघर्ष करेंगी।

डिवीजन सी की टीमें डिवीजन बी में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी।

डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें पिछले वर्षों के प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई हैं। गत विजेता हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और उपविजेता हॉकी हरियाणा भी इस डिवीजन का हिस्सा हैं।

डिवीजन ए की टीमें चार पूलों में विभाजित की गई हैं:

- **पूल ए :** हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी पंजाब, हॉकी मध्य प्रदेश
- **पूल बी :** हॉकी हरियाणा, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी झारखंड
- **पूल सी :** उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु, हॉकी बंगाल

- **पूल डी :** मणिपुर हॉकी, हॉकी कर्नाटक, ले पुडुचेरी हॉकी

प्रत्येक टीम अपने पूल में अन्य दो टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इसके बाद शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल (12 अप्रैल) में पहुंचेंगी, फिर सेमीफाइनल (13 अप्रैल) और फाइनल (15 अप्रैल) खेला जाएगा। डिवीजन ए की अंतिम दो टीमें अगले संस्करण में डिवीजन बी में स्थानांतरित हो जाएंगी।

डिवीजन बी में 10 टीमें शामिल हैं, जिन्हें दो पूलों में बांटा गया है-

- **पूल ए:** हॉकी चंडीगढ़, गोअंस हॉकी, तेलंगाना हॉकी, हॉकी आंध्र प्रदेश, हॉकी उत्तराखंड
- **पूल बी:** दिल्ली हॉकी, हॉकी मिजोरम, दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव हॉकी, केरल हॉकी, असम हॉकी

डिवीजन बी की शीर्ष दो टीमें अगले साल डिवीजन ए में पदोन्नत होंगी, जबकि अंतिम दो टीमें डिवीजन सी में चली जाएंगी।

डिवीजन सी में 8 टीमें शामिल हैं, जिन्हें दो पूलों में बांटा गया है-

- **पूल ए:** हॉकी राजस्थान, हॉकी अरुणाचल, हॉकी जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा हॉकी
- **पूल बी :** छत्तीसगढ़ हॉकी, हॉकी हिमाचल, हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार, हॉकी गुजरात

डिवीजन सी की शीर्ष दो टीमें डिवीजन बी में पदोन्नत होंगी।

अंक प्रणाली और मुकाबलों का प्रारूप

प्रत्येक जीत पर 3 अंक, ड्रॉ पर 1 अंक, और हारने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा। डिवीजन ए में नॉकआउट स्टेज होगा, जबकि डिवीजन बी और सी में फाइनल रैंकिंग अंक तालिका के आधार पर तय होगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा,सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में नया प्रारूप सफल रहा और हमें उम्मीद है कि इस बार भी यह रोमांचक रहेगा। पदोन्नति और निर्वासन दांव पर होने के कारण सभी टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगी।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा,यह टूर्नामेंट हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजने में मदद मिलेगी। हाल के वर्षों में घरेलू प्रतियोगिताओं में हॉकी का स्तर काफी ऊंचा हुआ है और हमें विश्वास है कि खिलाड़ी इस चुनौतीपूर्ण मुकाबले में खुद को साबित करेंगे। हम सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हैं। डिवीजन बी और सी के मुकाबले 4 अप्रैल से, जबकि डिवीजन ए के मैच 8 अप्रैल से शुरू होंगे।

4 अप्रैल के प्रमुख मुकाबले:

डिवीजन सी:

- हॉकी राजस्थान बनाम त्रिपुरा हॉकी
- हॉकी अरुणाचल बनाम हॉकी जम्मू और कश्मीर
- छत्तीसगढ़ हॉकी बनाम हॉकी गुजरात
- हॉकी हिमाचल बनाम हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार

डिवीजन बी:

- हॉकी चंडीगढ़ बनाम हॉकी आंध्र प्रदेश
- गोअंस हॉकी बनाम हॉकी उत्तराखंड
- दिल्ली हॉकी बनाम केरल हॉकी
- हॉकी मिजोरम बनाम असम हॉकी।

जैस्मिन और पांड्या के अफेयर की अटकलें तेज

मुम्बई

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आजकल आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करते दिख रहे हैं। खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी वह चर्चाओं में बने रहते हैं। पांड्या का उनकी पत्नी नताशा स्टेनिवोविक से तलाक हो गया है। वहीं आजकल हार्दिक अपनी नई गर्लफ्रेंड और ब्रिटिश मॉडल जैस्मिन वालिया के साथ रिलेशनशिप में हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें अटकलें लगायी जा रही हैं कि ये दोनो एकदूसरे को डेट कर रहे हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया में छाया हुआ है।

हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए आईपीएल मैच का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें जैस्मिन वालिया को मुंबई इंडियंस की बस में चढ़ते हुए देखा गया। इस दौरान सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान मैच की जगह जैस्मिन पर ज्यादा था। इससे यह अटकलें तेज हो गईं कि हार्दिक और जैस्मिन के बीच कुछ खास है। हार्दिक पांड्या और जैस्मिन वालिया को पहली बार तब देखा गया गया था जब दोनों ने एक ही स्वीमिंग पूल की अलग-अलग तस्वीरें पोस्ट की थीं। इसके बाद दोनों को कई बार एक साथ देखा गया। अब जब जैस्मिन को पांड्या की टीम की बस में देखा गया, तो यह और भी स्पष्ट हो गया कि दोनों रिलेशनशिप में हैं। जैस्मिन को कई बार स्टेडियम में हार्दिक का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया है। इससे भी दोनों के अफेयर की अफवाहें और भी तेज हो गई हैं।

भुवनेश्वर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से तीसरे गेंदबाज बने

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भले ही गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर अपने प्रदर्शन से उन्होंने आईपीएल में संयुक्त रुप से सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में ड्वेन ब्रावो के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब भुवनेश्वर तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। भुवनेश्वर ने इस मैच में 23 रन देकर एक विकेट लिया। भूवी ने इसी के साथ ही ड्वेन ब्रावो के 183 रनों के रिकार्ड की बराबरी की है। अब वह तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये हैं।

गुजरात के खिलाफ मुकाबले में विफल रहे विराट

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार के बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर संकेतों में निशाना साधा है। विराट इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी करते हुए वह 7 ही रन बना पाये। इसके बाद फील्डिंग करते हुए 12वें ओवर में ही चोटिल हो गए। पाटीदार ने कहा कि पावरप्ले में खराब प्रदर्शन से टीम हारी। टिम डेविड और लिविंगस्टन ने 54 रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया पर इसके बाद खराब फील्डिंग के कारण टीम की गेंदबाजी प्रभावी नहीं रही। पाटीदार ने कहा कि हम पावरप्ले के बाद 190 के आसपास लक्ष्य बना रहे थे पर शुरुआती विकेट खोने से हमें नुकसान हुआ। मुझे लगता है कि हमारा प्रयास अच्छा था, पर हमें पावरप्ले में 3 विकेट नहीं खोने चाहिए थे। हालात बेहतर हो गये हालांकि जितेश, लियाम लिविंगस्टोन और टिम डेविड ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह हमारे लिए राहत की बात रही। वहीं दूसरी ओर गुजरात के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट लेकर आरसीबी की बल्लेबाजी को जमने नहीं दिया।

पिच को लेकर सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं फ्रैंचाइजी : बीसीसीआई

बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रैंचाइजियों से कहा है कि कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दे। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यहां तक कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिलता दिखा।

बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता। इसमें कहा गया है कि पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं जो गेंदबाजों को ज्यादा फायदा पहुंचाए पर इसके लिए फ्रैंचाइजी और क्यूरेटर्स के बीच में बेहतर संवाद की जरूरत है। ये सब एक सप्ताह में नहीं हो सकता।

बीसीसीआई की गाउडलाइंस के मुताबिक, पिच का नेचर क्या हो, इसमें न तो किसी फ्रैंचाइजी की चलेगी और न ही किसी खिलाड़ी की। क्यूरेटर को ऐसी पिच तैयार करनी है जिससे तेज गेंदबाजों को भी सहायता मिले और स्पिनर्स को भी जिससे इनमें अच्छा संतुलन बना रहे। आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती दौर में ही घरेलू मैदान की पिच को लेकर कई फ्रैंचाइजी ने असंतोष जताया है। लखनऊ के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी मांग की है कि ईडन गार्डन्स की पिच ऐसी हो जो स्पिनर्स की सहायता करे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन भी अपने शुरुआती दो मैचों की पिच को लेकर क्यूरेटर से नाराज है। कुछ ऐसा ही हाल चेन्नई सुपर किंग्स का भी जो घरेल पिच से संतुष्ट नहीं है।

आईएसएल: दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण में शील्ड विजेता मोहन बागान को चुनौती देगी जमशेदपुर एफसी

जमशेदपुर

जमशेदपुर एफसी गुरुवार को शाम अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट का सामना करने के लिए तैयार है। ये दोनों टीमें पहली बार प्लेऑफ में भिड़ने जा रही है। एमबीएसजी आईएसएल लीग शील्ड जीतने के कारण पहले ही अंतिम-चार में पहुंच गई थी, जबकि रेड माइनर्स ने सिंगल-लेग नॉकआउट मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 2-0 से हराकर डबल-लेग सेमीफाइनल में जगह बनाई है। जमशेदपुर एफसी को आईएसएल में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ अपने पिछले छह मैचों में कोई जीत नहीं मिली है और इस दौरान चार हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, एमबीएसजी पिछले छह अवे मैचों में अपराजित रही है, जिसमें उसने तीन बार जीत हासिल की है और 13 गोल किए हैं, जबकि

केवल तीन गोल खाए हैं। जमशेदपुर की टीम सेमीफाइनल मुकाबले में मजबूत शुरुआत करके फायदा उठाना चाहेगी, लेकिन उसने यहां अपने पिछले दो घरेलू मैच हारे हैं। जमशेदपुर ने साल 2025 की शुरुआत से अब तक सबसे अधिक गोल (22) किए हैं, जो मोहन बागान सुपर जायंट (21) से एक ज्यादा है। वैसे, एमबीएसजी के नाम अब तक सबसे ज्यादा 47 गोल हैं। मोहन बागान ने अपने पिछले छह आईएसएल प्लेऑफ मैचों में से केवल एक ही मैच नियमित या अतिरिक्त समय (3 ड्रा, 2 हार) में जीता है, जिसमें पिछले सीजन के फाइनल में मुम्बई सिटी के हाथों 1-3 से हार भी शामिल है। जमशेदपुर के मुख्य कोच खालिद जमील मैच से पहले आशावादी नजर आए। उन्होंने कहा, हमें अभी दो चरण खेलने हैं और हमारा सामना एक बहुत अच्छी टीम से है। हम सकारात्मक हैं, क्योंकि हम अपने घरेलू मैदान पर खेलने जा रहे हैं, और हमें सकारात्मक परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने आईएसएल कप जीतने को लेकर अपनी टीम की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हम तैयार हैं और हम आईएसएल कप जीतना चाहते हैं। हम इस सीजन से बेहद खुश हैं, लेकिन हम कप भी जीतना चाहते हैं। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले हुए हैं। मोहन बागान ने पांच बार जीत हासिल की है जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते हैं। दो मुकाबले ड्रा रहे हैं।

कोपा डेल रे सेमीफाइनल : एटलेटिको मैड्रिड को हराकर बार्सिलोना ने फाइनल में बनाई जगह, रियल मैड्रिड से होगा मुकाबला

मैड्रिड। बार्सिलोना ने बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर कोपा डेल रे के फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले के बाद बार्सिलोना ने 5-4 के कुल स्कोर के साथ फाइनल का टिकट कटाया। पहले चरण में खेले गए आठ गोल वाले रोमांचक मुकाबले के बाद, फेरान टोरेस के 27वें मिनट में किए गए गोल ने बार्सिलोना को निर्णायक बढ़त दिलाई। लामिन यमाल के बेहतरीन पास पर टोरेस ने बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर जुआन मुसो के पास से नेट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में एटलेटिको ने बराबरी के गोल के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी एलेक्ज़ेंडर सोरलॉथ आसान मौके को चूक गए, जिससे बार्सिलोना ने अपनी बढ़त बनाए रखी और जीत दर्ज की। इससे पहले मंगलवार को रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद के खिलाफ जबरदस्त मुकाबले में 4-4 की बराबरी हासिल कर कुल 5-4 से जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही, कोपा डेल रे फाइनल में एक दशक से अधिक समय बाद एक एल क्लासिको मुकाबला देखने को मिलेगा। रियल और बार्सिलोना अब तक कोपा डेल रे फाइनल में 18 बार आमने-सामने आ चुके हैं, जिसमें रियल ने 11 बार जीत हासिल की है। आखिरी बार 2014 के फाइनल में रियल ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। इस सीजन में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड के खिलाफ दोनों मुकाबले जीते हैं - अक्टूबर में ला लिगा में 4-0 की जीत और जनवरी में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 की धमाकेदार जीत।

भंवरों की देवी है जीण माता

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार हैं। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मंदिर बहुत प्राचीन शक्तिपीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा हो या उनकी यह साधना स्थली रही हो। मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। इन शिलालेखों में सबसे पुराना संवत 1029 का है। उस पर मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर को 9 वीं शताब्दी से पूर्व का बताया गया है। एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी । यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बड़ी तो कहते है कि मंदिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दीं जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमायाचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षों तक माता के मंदिर में दीपक के लिए दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रि के समय भिजवाना आरंभ कर दिया। और महाराजा मान सिंह के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रुपए 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी। हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रि के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम् से नवमी (नवरात्रि में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमें देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मंदिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं। लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म (अवतार) राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मंदिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है। जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मंदिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है। हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मंदिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल श्रृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मंदिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जीणमाता मंदिर से काजल शिखर की 300 फीट ऊंचाई पर है। बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं, बच्चों का यहां पहुंच पाना मुश्किल रहता था। इन सबकी सुविधा के लिए अब रोप-वे शुरू हो गया है। शिखर तक पहुंचने में अब तक 2 घंटे लगते थे। लेकिन रोप-वे से ये दूरी 5 मिनट में तय हो जाती है।

गुलाब के पौधे पर आने बंद हो गए हैं फूल

अपनाएं ये पांच तरीके कलियों से भर जाएगा पौधा

गुलाब किसे नहीं पसंद आता। इसकी खूबसूरती और खुशबू किसी का भी मन मोह लेती है। इसलिए लोग अपनी बालकनी में गुलाब का पौधा लगाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसके परेशानी यह है कि सही देखभाल न मिलने पर इसमें फूल आने बंद हो जाते हैं। कई बार पौधा हरा-भरा ही रहता है, लेकिन इसमें फूल नहीं आते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है कि गुलाब के पौधे पर फूल आने बंद हो चुके हैं, तो हो सकता है कि आप कुछ बातों का ध्यान नहीं रख रहे हैं। आइए जानें गुलाब के पौधे में फूल उगाने के लिए 5 असरदार टिप्स। गुलाब के पौधे के लिए सही मिट्टी चुनना बहुत जरूरी है। यह पौधा उपजाऊ, दोमट मिट्टी में अच्छी तरह विकसित होता है। मिट्टी में ऑर्गेनिक खाद (जैसे गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट) मिलाने से पौधे को पोषण मिलता है। साथ ही, जल निकासी का भी ध्यान रखें, क्योंकि गुलाब की जड़ें ज्यादा पानी में सड़ सकती हैं। अगर गमले में पौधा लगा रहे हैं, तो उसमें जल निकास के लिए छेद जरूर होने चाहिए। गुलाब के पौधे को हर दिन कम से कम 6-8 घंटे की सीधी धूप की जरूरत होती है। अगर पौधे को सही धूप नहीं मिलती, तो फूल कम आते हैं या पौधा कमजोर हो सकता है। इसलिए, गुलाब को ऐसी जगह लगाएं जहां सुबह की धूप अच्छी तरह मिल सके। गुलाब के पौधे को नियमित रूप से पानी देना चाहिए, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि मिट्टी ज्यादा गीली न हो। गर्मियों में पौधे को रोजाना पानी दें, जबकि सर्दियों में मिट्टी की नमी के अनुसार पानी देना चाहिए। पानी देते समय पत्तियों को गीला करने से बचें, क्योंकि इससे फंगस की समस्या हो सकती है। गुलाब के पौधे को स्वस्थ रखने और ज्यादा फूल पाने के लिए नियमित रूप से प्रूनिंग करनी चाहिए। मुरझाए हुए फूलों और सूखी टहनियों को काटकर अलग कर दें, ताकि पौधा नए फूलों के लिए पोषण स्टोर कर सके। सर्दियां खत्म होने के बाद या वसंत ऋतु की शुरुआत में पौधे की अच्छी तरह छंटाई करें, जिससे नई शाखाएं निकलेंगी और फूलों की संख्या बढ़ेगी। गुलाब के पौधे को पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसलिए महीने में एक बार ऑर्गेनिक खाद (जैसे नीम की खली, केले के छिलके की खाद) या केमिकल खाद (एनपीके) देना फायदेमंद होता है। साथ ही, कीटों और बीमारियों से बचाव के लिए नीम का तेल या अन्य प्राकृतिक कीटनाशकों का इस्तेमाल करें। अगर पत्तियों पर काले धब्बे या पाउडर जैसा फंगस दिखे, तो तुरंत इसका इलाज करें।

फिल्म *छोरी-2* का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज, दर्शकों की उत्सुकता चरम पर

नुसरत भरूचा की बहुप्रतीक्षित फिल्म *छोरी 2* का ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के पहले भाग *छोरी* में नुसरत की जबरदस्त अदाकारी को न सिर्फ दर्शकों ने बल्कि समीक्षकों ने भी खूब सराहा था। अब जब फिल्म का दूसरा भाग आने वाला है, तो दर्शकों की उत्सुकता चरम पर है। ट्रेलर ने फिल्म के प्रति दर्शकों की रुचि को और भी बढ़ा दिया है। छोरी-2 में नुसरत एक बार फिर साक्षी के किरदार में नजर आएंगी और इस बार डर और भी ज्यादा होगा। ट्रेलर देखकर साफ है कि नुसरत भरूचा एक बार फिर रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी लेकर आ रही हैं। छोरी-2 का ट्रेलर दर्शकों को एक बार फिर साक्षी की भूतिया दुनिया में लेकर जाता है, लेकिन इस बार कहानी और भी ज्यादा डरावनी, रहस्यमयी और घातक लग रही है। इस फिल्म की खासियत है इसकी अनजान गुफाओं और भूतिया रीति-रिवाजों पर आधारित कहानी, जो एक खौफनाक माहौल बनाती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि साक्षी (नुसरत भरूचा) अपनी बेटी इशानी की जान बचाने के लिए शैतानी तिलिस्मी ताकतों से टकरा रही है। सोहा अली खान का रहस्यमयी *दासी मां* का किरदार कहानी को और भी पेचीदा बना देता है। इस बार फिल्म सिर्फ डराने के लिए नहीं, बल्कि एक मां की भावनात्मक और ज़िंदा रहने की जद्दोजहद को भी दिखाती है। यह ट्रेलर गहरे भय, अप्रत्याशित मोड़ों और बुराई के खिलाफ एक मां की हार न मानने वाली लड़ाई का वादा करता है। छोरी-2 के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। एक यूजर ने कमेंट किया कि सच में रोंगटे खड़े हो गए। तो वहीं, दूसरे ने लिखा कि ओह माय गॉड, कभी नहीं सोचा था कि सोहा का इतना दमदार अवतार देखने को मिलेगा। कुछ लोगों ने फिल्म की तुलना *तुम्बाड़* से करते हुए लिखा कि ये तुम्बाड़ के स्तर की फिल्म लग रही है, अब उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। एक यूजर ने ट्रेलर की तारीफ करते हुए लिखा कि भाई, ट्रेलर तो जबरदस्त है! हालांकि, कुछ दर्शक इस बात से निराश नजर आए कि फिल्म सिनेमाघरों में नहीं आ रही। एक फैन ने लिखा कि ये थिएटर में आती तो आग लगा देती। ऐसे में यह साफ है कि छोरी-2 का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है और फिल्म के लिए उनकी एक्साइटमेंट अब और भी बढ़ गई है। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी छोरी-2 में गश्मीर महाजनी, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय, कुलदीप सरीन और हार्दिका शर्मा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 11 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म की कहानी एक डरावनी सच्चाई को सामने लाएगी। ऐसे भयानक इतिहास को, जहां बेटियों को जन्म के साथ ही मार दिया जाता था। छोरी-2 इस कड़वी हकीकत को भूतिया माहौल में पिरोकर दर्शकों के सामने लाने वाली है।

ममता कुलकर्णी संग होटल में रंगे हाथ पकड़ा गया था शादीशुदा डायरेक्टर!

ममता कुलकर्णी हिंदी सिनेमा की वह दिग्गज अदाकारा हैं, जिन्होंने 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और कमाल की एक्टिंग से हर किसी को दीवाना बना दिया था। सलमान खान और गोविंदा जैसे तमाम सुपरस्टार के साथ ममता ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्म दी। लेकिन ये बात भी किसी से छिपी नहीं रही है कि एक्टिंग करियर के अलावा वह निजी जिंदगी और तमाम विवादों की वजह से भी चर्चा में रहीं। आज इस लेख में हम एक्ट्रेस से जुड़ा वो किस्सा बताने जा रहे हैं, जब इंडस्ट्री के इस दिग्गज फिल्ममेकर के साथ ममता कुलकर्णी का नाम जुड़ गया था। एक सफल के एक्ट्रेस के तौर पर ममता कुलकर्णी 90 के दशक में कामयाबी के रथ पर सावर थीं। हर कोई फिल्ममेकर उन्हें अपनी मूवीज में रखना चाहता था। 1997 में आकर ये खबर फैल गई कि ममता कुलकर्णी का शादीशुदा निर्देशक के साथ एक्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है। बी टाउन के लिए ये उस बहुत बड़ी ब्रेकिंग के तौर पर तेजी से फैलने लगी। रिपोर्ट्स ये भी आई थीं कि उस निर्देशक की पत्नी ने अपने हडबैंड को ममता कुलकर्णी के साथ होटल में रंगे हाथ पकड़ लिया था। आपको बता दें कि वो डायरेक्टर कोई और नहीं बल्कि टीनू वर्मा थे। हाल ही में फिल्मी मंत्रा संग बातचीत में टीनू ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है और होटल में पकड़े जाने वाली बात को महज अफवाह करार दिया है।

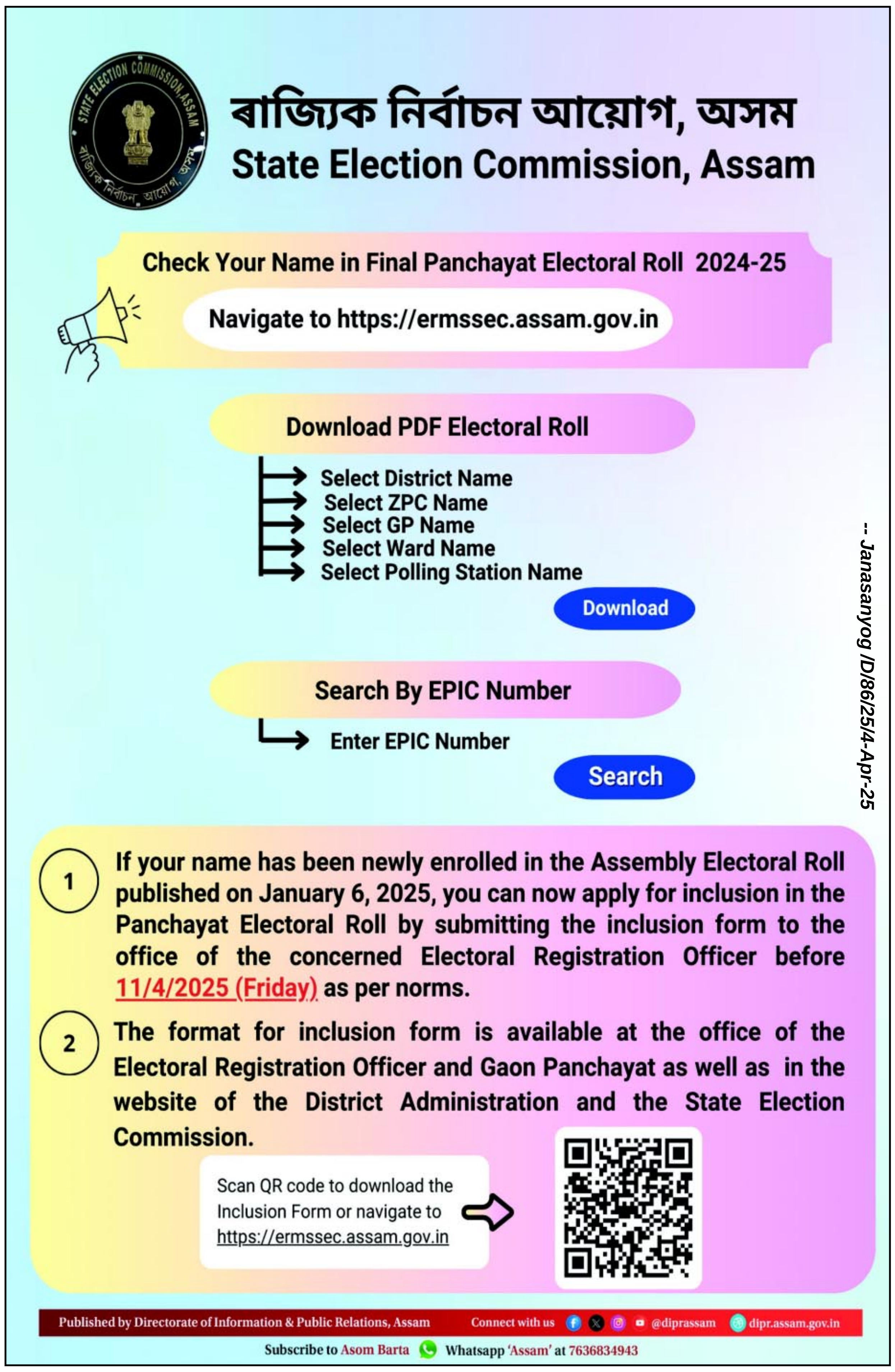

डायबिटीज कंट्रोल करेगा काला नमक, डाइट में शामिल कर लिया तो मिलेंगे और भी चौंकाने वाले फायदे

काला नमक खाने के स्वाद को बढ़ा देता है। फल हो या फ्रूट चाट काला नमक हर डिश को चटपटा और डिफरेंट टेस्ट का बना देता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं और इसमें सोडियम की मात्रा भी बहुत कम होती है। इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल भी पाए जाते हैं, जिससे ये पाचन में सुधार लाता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और रेस्पिरेटरी इश्यू को खत्म करने में मदद करता है। ये बाइल के प्रोडक्शन को एक्टिव करता है, सीने में जलन को खत्म करता है और ब्लोटिंग की समस्या भी खत्म करता है। काला नमक ऐसे ही कई ढेर सारे फायदे पहुंचाता है। आइए जानते हैं- काला नमक में रेगुलर सफेद नमक की तुलना में बेहद कम सोडियम पाया जाता है। इससे वॉटर रिटेंशन नहीं होता है और ब्लोटिंग की समस्या भी नहीं होती है। इसलिए अगर आप लो सोडियम डाइट पर हैं और वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सफेद नमक की जगह काला नमक एक बेहतरीन विकल्प है। डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए काला नमक खाना बहुत लाभकारी होता है। एक सीमित मात्रा में काला नमक खाने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल को संतुलित करने में मदद मिलती है और बाहर से इंसुलिन लेने की जरूरत को कम होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**